50 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डांक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in | यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 6.6 °c | अधिकतम 24.2 °c

आज की अमृतवाणी

झूठे शान वाले परिंदे ही अक्सर फड़फड़ाते हैं, पर बाज की उड़ान में कभी शोर नहीं होता।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 94127-10840, 9368549219 | संस्थापक : उत्तम चंद्र शर्मा | रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

गुलामी से आजाद हो गया रामपुर : आकाश सक्सेना

खतौली के बारे क्या विचार है?.....

सूर्योदय : 7:01, सूर्यास्त : 5:20 | वर्ष : 50/ अंक : 339 | शनिवार, 10 दिसम्बर 2022 | पौष, कृष्ण पक्ष, द्वितीया, सम्वत् 2079 | मूल्य 3 रु. | पृष्ठ-4

मीनाक्षी चौक के मांसाहारी होटलों पर छापेमारी से खलबली

- लखनऊ से भेजी गई टीमों ने मांसाहारी होटलों को बनाया निशाना
- छापे की कार्रवाई के बाद कई होटलों के मालिक दुकान बंद कर भागे

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। प्रदेश भर में जीएसटी के छापों के बीच आज लखनऊ से आई टीमों ने जिले में कई स्थानों पर ताबड़तोड़ छापामारी की। इस दौरान इस टीम ने मीनाक्षी चौक स्थित कई होटलों के अलावा बुढ़ाना में भी छापा मारा। अचानक इस छापे की कार्रवाई से मीनाक्षी चौक के होटलों में हड़कंप मच गया। इसके बाद कई होटल वाले अपनी दुकानें बंद करके भाग खड़े हुए। देर रात तक जीएसटी की टीमें वहां कई होटलों पर जमी रहीं। आज की कार्रवाई में निशाना मांसाहारी होटल ही रहे। प्रदेश शासन द्वारा जीएसटी चोरी के मामलों की सूचना के बाद पूरे राज्य में टीमें भेज कर छापामारी की जा रही है। कई दिन से चल रही इस कार्रवाई में अभी चुनाव के चलते मुजफ्फरनगर अछूता था, लेकिन आज शाम के समय जीएसटी टीमों ने यहां भी धावा बोल दिया। आज इन टीमों का निशाना मीनाक्षी चौक पर चल रहे कई मांसाहारी आलीशान होटल रहे। जीएसटी टीमों ने मीनाक्षी चौक और मेरठ रोड पर स्थित फास्ट एंड मूड, मकबूल होटल, नसीम होटल और हलीम बिरयानी पर छापे की कार्रवाई की। अचानक मारे गए छापे से इन होटलों पर हड़कंप मच गया। शाम के समय यह कार्रवाई उस समय की गई जब ठंड भगाने के लिए यहां मांसाहारी भोजन खाने वालों की खासी भीड़ थी। पुलिस के साथ छापा मारने पहुंची टीम की कार्रवाई के चलते वहां मौजूद ग्राहक भी हक्के बक्के रह गए। इसके बाद जीएसटी टीमो ने वहां का हिसाब किताब खंगाला और होटल मालिकों से पूछताछ की। बताया गया है कि होटलों पर काफी मोटी बिक्री का हिसाब जीएसटी टीम के हाथ लगा है। ऐसे में इन होटलों पर जीएसटी चोरी के हिसाब का आंकलन किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार पूरी पड़ताल के बाद इन होटलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल देर रात तक रौनक अफरोज रहने वाले मीनाक्षी चौक की रौनक भी आज जीएसटी के छापे की कार्रवाई के बाद सिमट गई।

मीनाक्षी चौक पर होटल में जांच करते अधिकारी व छापामारी के लिए पहुंचा जीएसटी टीम का काफिला

होटलों पर है कितना जीएसटी

नियम के मुताबिक अगर होटल या रेस्टोरेंट में व्यवसायी का टर्नओवर 20 लाख से कम है तो जीएसटी नंबर लेने की जरूरत नहीं है। यह नियम उनके लिए ही होता है जिनकी सालाना कमाई 20 लाख रुपये से ज्यादा होती है। ऐसे व्यवसायियों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होता है। अगर कमाई 20 लाख से नीचे है तो टैक्स लगाने की जरूरत नहीं है।

बिना जीएसटी पंजीकरण के कर रहे मोटा धंधा

मुजफ्फरनगर वाणिज्यकर विभाग के ज्वाइंट कमिश्नर एसआईबी शरद शुक्ला ने बताया कि तमाम स्थानों पर बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की सूचना के बार शासन स्तर से ऐसी फर्मों पर जांच पड़ताल की जा रही है। इनमें बड़ी संख्या में ऐसी फर्मे भी हैं जो वांछित होते हुए भी जीएसटी के लिए पंजीकृत नहीं हैं और बड़े पैमाने पर कर चोरी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जांच पड़ताल के बाद इन होटलों की बिक्री का आंकलन कर उन्हें नोटिस दिया जाएगा और उन पर जीएसटी और जुर्माने का आंकलन किया जाएगा। अभी कार्रवाई जारी है, ऐसे में कुछ कहना संभव नहीं है। जो फर्में जीएसटी के लिए बाध्य होने के बावजूद रजिस्ट्रेशन से बच रही हैं, उनका पंजीकरण भी कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही वाणिज्य कर विभाग की ओर से शिविर भी लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शहरी और कसबाई इलाकों में कई स्थानों पर आज छापे की यह कार्रवाई की गई है।

बुढ़ाना में जीएसटी टीम ने होटलों में मारा छापा तो धड़ाधड़ हो गये बाजार बंद

बुढ़ाना, 09 दिसम्बर (बु.)। जीएसटी विभाग के अधिकारियों की टीम ने शुक्रवार के दिन बुढ़ाना कस्बे में पहुंचकर रामछेल तिराहे पर स्थित लजीज होटल में छापा मारकर जांच की। उधर टीम की इस कार्यवाही से कस्बे के सभी बाजार धड़ाधड़ बंद होते चले गए। बताया जाता है कि जीएसटी की टीम ने कई प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। टीम ने लजीज होटल पर पहुंचकर कई घंटे तक तक जांच की। टीम ने दस्तावेजों के संबंध में दुकानदार से बातचीत की। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि कुछ दुकानदारों पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन न होने के कारण यह अभियान चल रहा है। दुकानदारों से कहा जा रहा है कि वे अपना जीएसटी का रजिस्ट्रेशन करा लें। आज इसी को लेकर उन्होंने होटल में जाकर जांच की। इस दौरान अधिकारियों ने होटल स्वामी को जीएसटी नंबर का पंजीकरण के लिए आवेदन करने के लिए भी कहा। बताया जाता है कि कस्बे में टीम के आने की सूचना से कुछ व्यापारियों में हड़कंप मच गया, जिसके चलते दूसरे दिन भी बाजार आज पूरी तरह से बंद हो गए। बीते बृहस्पतिवार को बाजार में अफवाह फैली थी कि जीएसटी टीम कस्बे में पहुंचने वाली है। उक्त टीम के आने की सूचना पर व्यापारियों में अफरा तफरी मच गई थी और बाजार बंद हो गया था। धड़ाधड़ दुकानों के शटर गिर गए थे। शाम तक बाजार बंद रहा। बाद में लोगों को पता चला था कि टीम के आने की सूचना केवल अफवाह ही थी। फिर भी दुकानदारों ने अपनी दुकानों को नहीं खोला। दूर दराज से आए खरीदारी के लिए ग्रामीण भी परेशान नजर आए लेकिन आज टीम बुढ़ाना में आई और होटल में कार्यवाही को होते देखा तो एक बार धड़ाधड़ शटर गिर गये। समाचार लिखे जाने तक जीएसटी टीम चैकिंग करने में लगी थी और व्यापारी खौफजदा देखें गये।

कृष्णापुरी निवासी पुलिसकर्मी की हादसे में मौत

- मैनपुरी से चुनाव ड्यूटी से लौटते समय हुआ हादसा

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। फिरोजाबाद में तैनात एक युवा पुलिसकर्मी की हादसे में मौत हो गई। शहर के कृष्णापुरी इलाके का मूल निवासी पुलिसकर्मी अर्चित शर्मा मैनपुरी में चुनाव ड्यूटी से लौट रहा था। तभी हादसे का शिकार हो गया। उसे मेरठ के एक हास्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। उनके शव को यहां लाया गया और पुलिस द्वारा सलामी दिए जाने के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के दक्षिणी कृष्णापुरी निवासी 25 वर्षीय अर्चित शर्मा पुत्र दिनेश शर्मा वर्ष 2020 में उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर भर्ती हुआ था। फिलहाल उसकी तैनात फिरोजाबाद जनपद के सिरसागंज थाने में थी। बीती छह दिसंबर को अर्चित चुनाव ड्यूटी के लिए फिरोजाबाद से मैनपुरी जा रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर-ट्राली ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे में वह घायल हो गया था। आनन-फानन में उसे आगरा के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। सूचना पाकर परिजन भी आगरा पहुंच गए थे। परिजनों ने उसे आगरा से लाकर मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती करा दिया था। गुरूवार को मेरठ में उपचार के दौरान अर्चित ने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर सिरसागंज और शहर कोतवाली पुलिस भी मृतक के घर पहुंच गई। शव को उनके पैतृक आवास कृष्णापुरी लाया गया। परिवार के इकलौते कमाऊ बेटे की मौत की सूचना से कोहराम मच गया। फिरोजाबाद से पुलिसकर्मी भी शव के साथ यहां पहुंचे। स्थानीय पुलिस ने भी अंतिम संस्कार के समय पहुंच कर उन्हें सलामी दी। इसके बाद शहर श्मशानघाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि अर्चित शर्मा अपने परिवार का अकेला कमाऊ युवा था और अविवाहित था। उसका एक छोटा भाई तुषार शर्मा दसवीं का छात्र है। अर्चित के निधन की सूचना पर बड़ी संख्या में लोक उनके निवास पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

खतौली हार की रार, भाजपाइयों ने सोशल मीडिया पर खूब छोड़े तीर

- डेमेज कंट्रोल के लिए एक मंत्री के पक्ष में नजर आये सोशल मीडिया पर हो रहे अधिकांश कमेंट्स
- वेस्ट यूपी के एक बड़े पदाधिकारी के साथ जनपद के नेताओं पर हार का ठींकरा फोड़ने की होती रही कोशिश

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव में हार के बाद भाजपाईयों में अंदरूनी तकरार शुरू हो गई है। हार का ठींकरा फोड़ने के लिए दिनभर सोशल मीडिया पर खूब तीर छोड़े जाते रहे। पश्चिमी यूपी के एक बड़े पदाधिकारी के साथ जिले के नेताओं को कोसने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी गई। हालांकि चुनाव में हार के बाद डेमेज कंट्रोल के लिए एक वर्ग मंत्री के पक्ष में नजर आया। खतौली की जनता जनार्दन ने भाजपा को जोर का -टका धीरे से दिया है। दरअसल, भाजपा पहले दिन से ही यह मुगालता पाले बैठी थी कि उपचुनाव में भी उनकी जीत सुनिश्चित है। यही वजह थी कि चुनाव प्रचार के दौरान हर सभा में भाजपा नेताओं ने जीत के आंकड़े को दोगुना करने की बात कही। बड़बोले विक्रम सैनी तो 51 हजार मतों से जीत होने का दावा भी करने लगे थे। नेताओं की फौज तो रही, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं हुआ। चुनाव में हार के बाद से मीडिया से परहेज कर रहे भाजपा नेता दूसरे दिन भी खुलकर कुछ भी बोलने से कतराते रहे, लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही तकरार ने पार्टी की फजीहत को और बढ़ाने का काम किया है।

सोशल मीडिया पर हार को लेकर एक नहीं अनगिनत पोस्ट वायरल होती रही, जिसमें हार का ठींकरा एक दूसरे के सिर फोड़ने की कोशिश होती रही। एक पार्टी कार्यकर्ता ने तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक बड़े भाजपा पदाधिकारी पर निशाना साधते हुए यहां तक कह दिया कि यह नासम-ा नेता पार्टी की लुटिया डूबाकर ही दम लेगा। एक अन्य पोस्ट में जिला संगठन पर कीचड़ उछाली गई। कहा गया कि जिले के एक पदाधिकारी को तो फोटो खिंचवाने और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने के अलावा दूसरा कोई और काम नहीं था। एक अन्य कमेंट्स में मंत्री के दरबारियों पर तंज कसा गया। कहा गया कि कल तक मंत्री के दरबारी रहे लोग, अब दूसरे फ्रंट से पार्टी को हराने का काम करते रहे। ऐसे ही अनगिनत पोस्ट से जाहिर होता है कि खतौली की हार की रार कार्यकर्ता हजम नहीं कर पा रहे हैं। इन सबके बीच जिले के एक मंत्री के पक्ष में भी एक वर्ग खड़ा नजर आया, क्योंकि चुनाव से उनकी भी राजनीतिक प्रतिष्ठा जुड़ी हुई थी। सोशल मीडिया पर सक्रिय इस वर्ग ने अपने कमेंट्स और पोस्ट के माध्यम से न केवल मंत्री का बचाव किया, बल्कि उन्हें पूरी ताकत से आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। कहा गया कि वो कार्यकर्ता की आन, बान और शान हैं। कई कमेंट्स में मंत्री को ऐसे दरबारियों से दूरी बढ़ाने की सलाह भी दी गई। कुल मिलाकर दिनभर भाजपाईयों के बीच ही सक दूसरे पर कीचड़ उछालने की जद्दोजहद चलती रही। खतौली की हार को लेकर भाजपा के लखनऊ से लेकर खतौली स्तर तक के किसी भी नेता ने नैतिक जिम्मेदारी तो नहीं ली है, लेकिन कार्यकर्ता जरूर सोशल मीडिया पर हार की खीज उतारते नजर आये।

कार व एक्टिवा की टक्कर में एक्टिवा चालक घायल

दुर्घटनाग्रस्त कार व घटना में घायल युवक

भोपा, 9 दिसम्बर (बु.)। भोपा मुजफ्फरनगर मार्ग पर तेजी से आ रही कार की टक्कर एक्टिवा से हो गई, जहां कार सड़क किनारे पेड़ों में जाकर क्षतिग्रस्त हो गई, तो वहीं एक्टिवा चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची भोपा पुलिस ने घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई गई है। भोपा थाना क्षेत्र के ग्राम बहुपुरा निवासी 30 वर्षीय दीपक पुत्र नरेन्द्र मोरना में कम्प्यूटर शॉप चलाता है। शुक्रवार को दीपक भोपा आंगनबाड़ी कार्यालय से मुजफ्फरनगर जा रहा था। जैसे ही वह कासमपुरा के पास श्री गुरूद्वारा साहिब के सामने पहुंचा, तो सामने से आ रही स्विफ्ट कार ने एक्टिवा में टक्कर मार दी। तेज टक्कर लगने से एक्टिवा चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची भोपा पुलिस द्वारा घायल को जिला चिकित्सालय भेजा गया। वहीं कार भी सड़क किनारे खड़े पेड़ों से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त की।

सुब्रत रॉय की तलाश में छापे, पुलिस लौटी खाली हाथ

- अदालत की ओर से तीन लाख की लेनदेन में जारी है गैर जमानती वारंट

लखनऊ, 9 दिसंबर (वार्ता)। सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय की तलाश में लखनऊ कमिश्नरेट की दो जोन की पुलिस ने शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित सहारा सिटी व कपूरथला स्थित मुख्यालय पर छापा मारा। करीब दो घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने दोनों स्थानों पर हर केबिन व कमरों की तलाश की लेकिन सुब्रत रॉय पुलिस के हाथ नहीं लगे। डीसीपी उत्तरी के मुताबिक उनके खिलाफ बिहार शरीफ नालंदा उपभोक्ता फोरम ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। जिसके बाद गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई है।

डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम आब्दी के मुताबिक सहारा के प्रमुख सुब्रत रॉय के खिलाफ बिहार शरीफ नालंदा उपभोक्ता फोरम में इजराय वाद संख्या 55/2021 दाखिल हुआ था। जिसमें सहारा प्रमुख पर तीन लाख रुपये हड़पने का आरोप है। इस मामले में उपभोक्ता फोरम के न्यायाधीश ने 29 नवंबर को सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। इस वारंट की तामील व सुब्रत रॉय गिरफ्तारी के लिए फोरम ने लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस को 10 दिसंबर 22 का समय दिया था। वारंट मिलने के बाद शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे पुलिस की दो टीमों ने दो अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम आब्दी के नेतृत्व में एडीसीपी उत्तरी अभिजीत आर शंकर, एडीसीपी पूर्वी सैयद अली अब्बास, एसीपी गोमतीनगर वीरेंद्र विक्रम, इंस्पेक्टर गोमतीनगर दिनेश चंद्र मिश्रा, गोमतीनगर विस्तार अनिल कुमार सिंह व सैकड़ों पुलिसकर्मियों की टीम अंबेडकर पार्क के पास स्थित सहारा सिटी पहुंची। दो बजे से चार बजे तक पुलिस टीम ने सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय के बंगले की तलाशी ली। डीसीपी के मुताबिक अंदर सुब्रत रॉय नहीं मिले। उधर, अलीगंज के कपूरथला चौराहे पर स्थित सहारा इंडिया के मुख्यालय पर भी पुलिस टीम ने दबिश दी। वहीं सुब्रत रॉय की तलाश में दिल्ली, राजस्थान व मध्य प्रदेश की पुलिस भी जुटी है। वहां पर उनके खिलाफ कई केस दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस की टीम ने दो दिनों से गोमतीनगर दबिश दे डेरा डाल रखा है। तो राजस्थान की पुलिस कुछ दिन पहले आई थी, लेकिन वह भी खाली हाथ चली गई। मध्य प्रदेश की पुलिस कई बार दबिश दी, लेकिन उसके हाथ सुब्रत रॉय नहीं लगे। पुलिस के मुताबिक सुब्रत रॉय के खिलाफ कई मुकदमें दर्ज हैं।

चेन्नई में चक्रवाती तूफान का असर, हवाई सेवाएं प्रभावित

चेन्नई, 9 दिसंबर (वार्ता)। चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' का व्यापक असर तमिलनाडु के तटीय इलाकों में दिखाई दे रहा है। आईएमडी की तरफ से तूफान को लेकर 'रेड अलर्ट' जारी कर दिया गया है। राज्य के कई जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं और मछुआरों को समुद्र से दूर रहने की सलाह दी गई है। चक्रवाती तूफान मैंडूस 9 दिसंबर की आधी रात को चेन्नई के पास समुद्र तट से गुजर सकता है। इसे देखते हुए तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। तूफान के प्रभाव की वजह से शुक्रवार को चेन्नई में मूसलाधार बारिश भी हुई। चक्रवाती तूफान की वजह से तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में हवाई सेवाएं प्रभावित हुई हैं। कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया है साथ ही कई अन्य में देरी हुई है। तूफान 'मैंडूस' को देखते हुए, दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने घोषणा की है कि किसी भी तरह की अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए अगर आवश्यक हुआ तो चेन्नई में उपनगरीय ट्रेनों को रद्द या फिर रिशेड्यूल किया जा सकता है। तूफान की वजह से पुडुचेरी में भी सभी स्कूलों और कॉलेजों को दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया है।

69000 सहायक शिक्षक भर्ती : आरक्षण मामले में फैसला सुरक्षित, अभ्यर्थियों को दोहरा आरक्षण देने का आरोप

लखनऊ, 9 दिसंबर (वार्ता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में आरक्षित वर्ग की 19000 सीटों पर आरक्षण के मुद्दे पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ल की एकल पीठ के समक्ष इस मामले में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई हुई। अब कोर्ट इन पर फैसला सुनाएगा। याचियों का आरोप है कि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) तथा सहायक अध्यापक परीक्षा में अंकों में छूट देकर दोहरा आरक्षण दिया जा रहा है। इसको लेकर अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने याचिका दाखिल कर अपने अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी के माध्यम से बहस की। जिस पर राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि अध्यापक पात्रता परीक्षा एक अर्हता परीक्षा है तथा इसमें दी गई अंकों की छूट या आरक्षण सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा के चरण में लागू नहीं होते हैं। यह उस परीक्षा का भाग नहीं है। इसके जवाब में याचियों के अधिवक्ता ने कहा कि जब अध्यापक पात्रता परीक्षा सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा का भाग नहीं है तो फिर इन्हें अध्यापक पात्रता परीक्षा में अंकों में छूट आरक्षण के आधार पर क्यों दी जाती है? इस पर सरकारी अधिवक्ता ने कहा कि इस भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को डबल रिजर्वेशन नहीं दिया जा रहा है। बल्कि यह भर्ती बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 तथा आरक्षण नियमावली 1994 के तहत की जा रही है। ऐसे में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों द्वारा डबल रिजर्वेशन पर दाखिल की गई याचिकाओं का कोई महत्व नहीं है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया। साथ ही कहा कि हफ्ते भर में पक्षकारों के अधिवक्ता अपनी लिखित बहस दाखिल कर सकते हैं।

हिमाचल में सीएम पद को लेकर घमासान

शिमला, 9 दिसंबर (वार्ता)। प्रदेश में मुख्यमंत्री पद पर रार के बीच कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के समर्थकों ने शुक्रवार को राजधानी शिमला में हंगामा कर केंद्रीय नेताओं के वाहन रोक दिए। चौड़ा मैदान में चुनाव पर्यवेक्षकों की गाड़ियों के आगे खड़े होकर समर्थकों ने सांसद एवं पार्टी प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को मुख्यमंत्री बनाने की नारेबाजी की। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन और हॉलीलॉज में भी सैकड़ों समर्थकों ने नारेबाजी कर प्रतिभा को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। शुक्रवार दोपहर बाद चुनाव पर्यवेक्षक भूपेश बघेल, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और राजीव शुक्ला चौड़ा मैदान स्थित होटल से निकलकर राजभवन जाने लगे तो प्रतिभा के समर्थक उनकी गाड़ियों के आगे खड़े हो गए। उन्होंने प्रतिभा को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर नारेबाजी की। समर्थकों ने जब तक सूरज चांद रहेगा, वीरभद्र सिंह का नाम रहेगा और हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो, प्रतिभा सिंह जैसा हो के नारे लगाए। समर्थकों को काबू करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। कुछ समय के लिए चौड़ा मैदान में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। उधर, हॉलीलॉज में भी सुबह से जुट रहे समर्थकों ने प्रतिभा सिंह के पक्ष में नारेबाजी की। दोपहर बाद विधायक दल की बैठक की जानकारी मिलते ही समर्थक राजीव भवन के बाहर एकत्रित हो गए। मुख्यमंत्री चेहरे के चयन को लेकर मचे घमासान के बीच कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन शिमला में शुक्रवार देर शाम को नव निर्वाचित कांग्रेस विधायकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री प्रदेश कांग्रेस चुनाव पर्यवेक्षक भूपेश बघेल, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश मामलों के प्रभारी सांसद राजीव शुक्ला, सह प्रभारी गुरकीरत सिंह कोटली, संजय दत्त, तजेंद्र पाल बिट्टू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्री के चयन के लिए हर विधायक से दो-दो नाम पूछे गए। उनकी प्राथमिकता वाले उम्मीदवार की मेरिट और डिमेरिट भी पूछी गई। मुख्यमंत्री चेहरे के चयन को लेकर सीएलपी (कांग्रेस विधायक दल) बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजने का फैसला लिया गया। बैठक में मुकेश अग्निहोत्री ने सिंगल लाइन प्रस्ताव की बात रखी और सुखविंदर सुक्खू ने उसका समर्थन किया। इसके बाद सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी हाईकमान को विधायक दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत करने का फैसला लिया।

खतौली के बाद अब चेयरमैनी में जोरआजमाइश

- नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्षों के टिकटों को लेकर रालोद-सपा गठबंधन में कवायद शुरू
- खतौली की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले चंद्रशेखर की हिस्सेदारी पर भी रहेगी नजर

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। खतौली उपचुनाव में जीत के बाद रालोद सपा गठबंधन अब निकाय चुनाव में भाजपा के खिलाफ ताल ठोंकने की तैयारी में जुट गया है। इसी कड़ी में जिले के अलावा वेस्ट यूपी की नगरपालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ ही सहारनपुर और मेरठ नगर निगम के मेयर पद के लिए टिकट के बंटवारे को लेकर गठबंधन में मंथन शुरू हो गया है। अगले कुछ दिनों में यह साफ हो जायेगा कि चेयरमैनी के दंगल में कौन से निकाय सीट किस दल के हिस्से में होगी। यह देखना दिलचस्प रहेगा कि खतौली उपचुनाव में गठबंधन की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर की इसमें कितनी हिस्सेदारी होगी।

खतौली उपचुनाव में जीत का डंका बजाने के बाद रालोद-सपा-आसपा गठबंधन के हौसलों को पंख लग गये हैं। अब निगम, पालिका और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए मंथन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में निकाय चुनाव की घोषणा हो सकती है। तमाम सियासी दल निकाय चुनाव की तैयारियों में लग गये हैं। बीच में खतौली उपचुनाव आने के कारण निकाय चुनाव की हलचल थोड़ी धीमी पड़ गई थी, लेकिन अब चुनाव सम्पन्न होने के बाद फिर से निकाय चुनाव की हलचल तेज हो गई है। सपा-रालोद गठबंधन निकाय चुनाव साथ लड़ेगा यह पहले से तय है, लेकिन कौन सा निगम, कौन सी पालिका और कौन सी नगर पंचायत किस दल के हिस्से में होगी, इस पर अभी मुहर लगना बाकी है। सूत्रों का कहना है कि सपा और रालोद के नेता उपचुनाव में व्यस्त होने के कारण निकाय चुनाव को लेकर अभी कोई संयुक्त बैठक नहीं कर सके हैं। हालांकि सपा और रालोद दोनों ने निकाय चुनाव के टिकट के बंटवारे को लेकर तीन-तीन सदस्यीय समन्वय समिति गठित कर दी हैं। सपा की ओर से गठित समन्वय समिति में पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, पूर्व मंत्री संजय गर्ग और चरथावल से सपा विधायक पंकज मलिक शामिल हैं, तो रालोद की निकाय चुनाव समन्वय समिति में पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस, पूर्व प्रमुख बाबूलाल और डॉ. नीरज चौधरी को शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि दोनों राजनीतिक दलों की समन्वय समितियों की संयुक्त बैठक जल्द हो सकती है। दोनों दलों के संभावित प्रत्याशियों को इन्हीं समन्वय समितियों के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। समस्त आवेदन को एकत्र कर समन्वय समिति रिपोर्ट तैयार करते हुए शीर्ष नेताओं को भेजेगी और फिर शीर्ष नेतृत्व ही सीटों के बंटवारे और टिकट को लेकर अंतिम निर्णय करेगा। विधानसभा टिकट के फार्मूले के दृष्टिगत मुजफ्फरनगर की नगरपालिका पर रालोद की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है, क्योंकि सदर सीट से रालोद सिंबल पर पूर्व मंत्री चितरंजन स्वरूप के बेटे सौरभ स्वरूप उर्फ बंटी को उतारा गया था। यह बात अलग है कि वो चुनाव में पराजित हो गये थे। इस बार भी इस बात की संभावना अधिक है कि रालोद के सिंबल पर ही कोई सपा का चेहरा शहरी की चेयरमैनी के लिए ताल ठोंकेगा। खतौली उपचुनाव में जीत के बाद खतौली नगरपालिका पर भी रालोद का दावा मजबूत हुआ है, क्योंकि उपचुनाव में मदन भैया खतौली से अच्छे मतों से जीतकर आये हैं। इसके साथ ही जिले की आठ नगर पंचायतों में बुढ़ाना, शाहपुर, सिसौली, भोकरहेड़ी, पुरकाजी, जानसठ, मीरापुर और चरथावल को लेकर तस्वीर आने वाले दिनों में साफ होने की उम्मीद है। निकाय चुनाव में सपा-रालोद गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे में अब नया ट्वीस्ट आसपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर के रूप में भी आया है। खतौली की जीत में जो भूमिका चंद्रशेखर की मानी जा रही है, उसको देखते हुए निकाय चुनाव में चंद्रशेखर भी सपा-रालोद गठबंधन से अपनी हिस्सेदारी जता सकते हैं। सूत्रों के अनुसार आजाद समाज पार्टी को गठबंधन में जिले की नगर पंचायतों में एडजस्ट करने का प्लान बनाया जा रहा है। इसमें चंद्रशेखर को गठबंधन कोटे से भोकरहेड़ी नगर पंचायत दिये जाने की चर्चा जोरों पर हैं।

शिक्षक उत्थान में जुटी योगी सरकारः श्रीचंद

शामली, 09 दिसम्बर (बु.)। शुक्रवार को भाजपा एमएलसी श्रीचंद शर्मा नगर स्थित वीवी इंटर कालेज पहुंचे। यहां पर शिक्षकों ने उनका बुके भेंट कर स्वागत करते हुए कहा। इस दौरान एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने शिक्षकों से संवाद कायम करते हुए कहा कि उप्र सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा और शिक्षक के उत्थान के लिए सदैव प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि के रूप में शिक्षक हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रयत्नशील हैं। अब तक वित्त विहीन विद्यालयों को मान्यता लेने के लिए विभाग को अपनी प्रशासन योजना जमा करनी होती थी, अब इसको समाप्त कर दिया गया है, जिससे वित्तविहीन विद्यालयों को अनावश्यक हस्तक्षेप से मुक्ति मिलेगी। प्रधानाचार्य एसके आर्य, डॉ. अनुराग शर्मा, अर्जुन राम, नरेंद्र शर्मा, कुलदीप कुमार, राजनाथ सिंह आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

वेट लिफ्टिंग में आरके पीजी बना उप विजेता

शामली, 09 दिसम्बर (बु.)। आरके पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर सतेंद्र पाल ने बताया कि सहारनपुर के आईआईएमटी कोटा स्कूल में मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय के अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता 8 दिसंबर को हुई थी, जिसमें वेट लिफ्टिंग आरके पीजी कॉलेज के छात्र हर्ष ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक, आकाश कुमार ने 67 किलोग्राम में रजत, शिवम ने 74 किलोग्राम में कांस्य और सचिन गिल ने 96 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया। बेस्ट फिजिक में आकाश ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वेट लिफ्टिंग और बेस्ट फिजिक में आरके पीजी कॉलेज की टीम उपविजेता रही। प्राचार्य प्रोफेसर सत्येंद्र पाल, प्रबंध समिति सचिव उमेश सिंह व क्रीड़ा समिति के सदस्यों डॉ. रोहित राणा, डॉ. अजय कुमार, कुमारी दर्शना सिंह ने खिलाड़ियों व टीम मैनेजर प्रवीन अहमद को बधाई दी।

400 ग्राम चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

शामली, 09 दिसम्बर (बु.)। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर कोतवाली पुलिस ने अंतरार्जीय गिरोह के दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। शामली सदर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को मादक पदार्थ तस्कर गिरोह के दो आरोपियों मोहित पुत्र अशोक और हरजोत पुत्र सतनाम सिंह निवासीगण करनाल हरियाणा को गिरफ्तार किया है। दोनों तस्करों से पुलिस ने 400 ग्राम चरस और चरस बिक्री से प्राप्त 44 हजार रुपये नगद और स्विफ्ट गाड़ी बरामद की है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना कोतवाली शामली पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी नेमचंद ने बताया कि दोनों तस्करों के खिलाफ करनाल और शामली में आधा दर्जन मुकदमें दर्ज हैं।

समान विवाह संहिता पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। केरल हाईकेर्ट ने माना है कि भारतीय तलाक अधिनियम, 1869 की धारा 10ए के तहत 1 वर्ष की अलगाव की न्यूनतम अवधि का निर्धारण मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। अदालत ने कहा है कि अगर पति-पत्नी में नहीं बनती और वो आपसी सहमति से तलाक लेना चाहते हैं, तो उन्हें एक साल तक अलग-अलग रहने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। एक केस की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को वैवाहिक विवादों में पति-पत्नी के सामान्य कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत में एक समान विवाह संहिता पर गंभीरता से विचार करे।

शिवपाल को मिलेगी अब बड़ी जिम्मेदारी

इटावा, 9 दिसंबर (वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चाचा शिवपाल सिंह यादव को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी शीघ्र दी जाएगी। कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक के बयान कि शिवपाल यादव द्वारा मैनपुरी संसदीय सीट से भाजपा से टिकट मांगा गया था। इस पर भी अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि पहले वह अपने गिरेबां में झांकें। हमेशा मुंह में खैनी रखने वाला सांसद संसद में विकास का कोई सवाल नहीं उठा पाता। विकास तो सपा ने कन्नौज में कराया है। भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के चुनाव में धनबल का आरोप लगाए जाने पर उन्होंने कहा कि यह सभी जानते हैं कि धन का दुरुपयोग किसने किया। जनता ने डिंपल यादव को जीत दिलाई है। उन्होंने कहा कि सफारी पार्क काफी अच्छा बना है, लेकिन भाजपा की सरकारें बजट नहीं दे पा रही हैं। सरकार को बजट देना चाहिए।

मुस्लिम लड़कियों की शादी की उम्र हो 18

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के लिए शादी की एक समान उम्र की मांग वाली राष्ट्रीय महिला आयोग की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी कि कम उम्र मुस्लिम लड़कियों की शादी को वैध ठहराया जाता है, जिससे पाक्सो एक्ट का उल्लघंन होता है। आयोग की इस याचिका पर पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। पीठ ने इस मामले में केंद्र को 4 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। बता दें कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम लड़कियों की 15 साल की उम्र में ही विवाह किया जा सकता है। हालांकि, कानून के अनुसार, देश में लड़कियों की शादी की उम्र 18 साल तय है।

प्रिंसिपल मीट में सीबीएसई आरओ रणवीर सिंह ने दिए गुड रिजल्ट टिप्स

शिक्षकों की क्लास... मुजफ्फरनगर व देवबंद के सौ से ज्यादा सीबीएसई सम्बद्ध विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाध्यापकों को बताया खेल-खेल में शिक्षा का महत्व

एनईपी-2020 पर जोर

बच्चों को एकेडमिक से अलग खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर सर्वांगीण विकास करने पर दिया गया बल

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। नगर के पचैंडा रोड स्थित पीआर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की ओर से मुजफ्फरनगर जनपद के प्रिंसिपल मीट 2022 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. रणबीर सिंह सीबीएसई रीजनल ऑफिसर, देहरादून पधारे जिनका जनपद आगमन पर पीआर पब्लिक स्कूल के मैनेजमेंट एवं जिले के विभिन्न पब्लिक स्कूल के प्रबंधक एवं प्रधानाध्यापकों द्वारा किया गया। स्वागत की श्रृंखला में मुख्य अतिथि को ग्लोबल पब्लिक स्कूल, फुगाना के छात्र बैंड द्वारा मनमोहक धुन बजा कर एस्कॉर्ट किया गया। वहीं दूसरी ओर रीजनल ऑफिसर रणबीर सिंह ग्रुप के सभी छात्र छात्राओं से मिले।

पीआर पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रधानाचार्य ग्रुप की बैठक की शुरुआत रीजनल ऑफिसर रणबीर सिंह, सिटी को-ऑर्डिनेटर अनीता दत्ता, मैनेजर अशोक सिंघल, प्रधानाचार्य मानसी सिंघल, तथा स्कूल हेड बॉय वंश शर्मा एवं हेड गर्ल महिमा द्वारा सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। स्कूल प्रधानाचार्य मानसी सिंघल ने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जिले के दोनो सहोदया के अध्यक्ष रुहामा अहमद व प्रमोद त्यागी, इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल आर्य और सिटी कोऑर्डिनेटर अनिता दत्ता ने अपने विचारों को सभी के समक्ष रखा। रीजनल ऑफिस रणबीर सिंह ने उपस्थित सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को संबोधित करते हुए एनईपी 2020 को सही रूप से लागू करने तथा उसके रिकॉर्ड्स को सही रूप में अपने पास सुरक्षित रखने के लिए कहा। उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए अतिरिक्त कक्षा को चलाने के सुझाव दिए ताकि स्कूल के रिजल्ट को बेहतर किया जा सके, वहीं सभी स्कूल के बच्चों को एकेडमिक से अलग खेलकूद सांस्कृतिक गतिविधियों एवं सीबीएसई के द्वारा बच्चो के सर्वांगीण विकास के मद्देनजर किए जाने वाले प्रयासों में बच्चो को भाग लेने के लिए उत्साहित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जाने पर जोर दिया। हम सबको एक टीम के रूप में कार्य करना चाहिए तथा अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वाह करना चाहिए। सीबीएसई द्वारा परीक्षा के लिए निर्धारित दिशा निर्देश का सही से पालन करें।

उन्होंने उपस्थित स्कूल प्रधानाध्यापकों के द्वारा शैक्षिक स्तर को ऊपर उठाने के लिए दिए गए सुझावों को सुना और उनकी समस्याओं को सुनकर उनके निवारण भी दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए जाने वाले प्रयासों में सहयोग देने के लिए मैं हमेशा आपके साथ हूं। होस्ट स्कूल के प्रबंधक कमेटी, सिटी कोऑर्डिनेटर, दोनों सहोदया के अध्यक्ष तथा आईएसए के अध्यक्ष आदि द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल ने रीजनल ऑफिसर के धन्यवाद के साथ इस सत्र का समापन किया गया। इस अवसर पर मुजफ्फरनगर और देवबंद के 100 से अधिक सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संदीप मलिक, गगन शर्मा अतुल कुमार, दुष्यंत त्यागी, शिव कुमार, गरिमा वर्मा, नीरज बलियान, सुयोग आर्य का विशेष योगदान रहा।

फोटो बुलेटिन: पी.आर. पब्लिक स्कूल में हुई सीबीएसई की प्रिंसिपल मीट के दौरान समस्त प्रतिभागियों के साथ सीबीएसई के रीजनल ऑफिसर डॉ. रणबीर सिंह तथा आयोजक एवं स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं के साथ भी डॉ. रणबीर ने अपनी उपस्थित दर्ज कराकर उत्साहवर्धन किया।

शामली समेत कई जिलों में खुलेंगे मैडीकल कॉलेज

लखनऊ, 9 दिसंबर (वार्ता)। शामली समेत उत्तर प्रदेश के छह जिलों में मेडिकल कालेज की सौगात मिलने जा रही है। योगी सरकार ने एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए 6 जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। टेंडर प्रक्रिया में महोबा, मैनपुरी, बागपत, हमीरपुर, हाथरस और कासगंज में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को चयनित किया जाएगा। केंद्र सरकार ने वायबलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) स्कीम के तहत छह जिलों में मेडिकल कॉलेज की सहमति दे दी है।

प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जिसने पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए टेंडर जारी किए हैं। टेंडर की डिटेल जेम पोर्टल पर भी अपलोड की गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के आर्थिक कार्य मंत्रालय ने वीजीएफ स्कीम के तहत पीपीपी के मॉडल पर उत्तर प्रदेश के छह जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की अनुमति दी है। इन्हें खोलने में करीब 1525 करोड़ रुपए का खर्च आएगा और केंद्र सरकार सब्सिडी के रूप में करीब 1012 करोड़ रुपए का भार उठाएगी। उन्होंने आगे बताया कि एक कॉलेज को औसतन 160 करोड़ रुपए की सब्सिडी मिलेगी।

केंद्र सरकार ने दी स्कीम को लेकर अपनी सहमति, इस पर खर्च होंगे 1525 करोड़ रुपये, केंद्र सरकार 1012 करोड़ रुपये सब्सिडी का उठाएगी आर्थिक भार

इसके तहत महराजगंज और शामली में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकर्ता का चयन कर कार्य शुरू हो गया है। अगले साल तक महराजगंज में उपचार भी शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा शामली और मऊ में मेडिकल कॉलेज प्रक्रियाधीन है। चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सीएम योगी के आम लोगों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह बड़ा कदम है। केंद्र सरकार के प्रस्ताव स्वीकृत करने से राज्य सरकार के धन की बचत होगी।

राज्य सरकार जिला अस्पताल और भूमि 33 साल की लीज पर देगी। इसके बाद निवेशकर्ता मेडिकल कॉलेज वापस कर देगा। वह राज्य सरकार की संपत्ति होगी। साथ ही स्टांप ड्यूटी में छूट और उपकरण सब्सिडी आदि देगी।

जीएसटी के छापों पर व्यापारियों का विरोध

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कंसल, नगराध्यक्ष अजय सिंघल, ज़िला महामंत्री श्याम सिंह सैनी, नगर महामंत्री प्रवीण खेड़ा के नेतृत्व में व्यापारियों ने जॉइंट कमिश्नर जीएसटी राकेश यादव व शरद शुक्ला से मिलकर कड़ा विरोध जताया। इस पर अधिकारियों ने बताया कि सर्वे जनरल नहीं है, कर अपवंचन की विशेष सूचना पर ही सर्वे, छापे ऊपर के आदेश पर किए जा रहे हैं, आम व्यापारी को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।इस अवसर पर अशोक कंसल, अजय सिंघल, श्याम सिंह सैनी, प्रवीण खेड़ा, अमित मित्तल, मनोज गुप्ता, पंकज अपवेजा, घनश्याम पालीवाल, दिनेश भगत, पंकज गोयल आदि साथ रहे।

फोटो बुलेटिन: ज्वाइंट कमिश्नर जीएसटी से मिलकर विरोध दर्ज कराते व्यापारीगण।

डीआईजी सुधीर कुमार अगले माह होंगे सेवानिवृत्त

▶▶ सहारनपुर रेंज के लिए नए पुलिस उपमहानिरीक्षक की तलाश तेज

लखनऊ, 9 दिसंबर (बु.)। सहारनपुर रेंज के डीआईजी सुधीर कुमार समेत कई बड़े पुलिस अधिकारी 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसके बाद सहारनपुर रेंज को नया मुखिया मिलेगा।

पुलिस महकमे में जल्द ही एक बार फिर फेरबदल की तैयारी है। इसके लिए कवायद शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि निकाय चुनाव से पहले ही इस कवायद को पूरा भी कर लिया जाएगा। प्रयागराज जोन के एडीजी प्रेम प्रकाश इसी 31 दिसंबर को, कोआपरेटिव सेल के डीजी जीएल मीणा और सहारनपुर रेंज के डीआईजी सुधीर कुमार सिंह 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। सुधीर कुमार सिंह अपनी सेवा के दौरान मुजफ्फरनगर में एसएसपी के रूप में शानदार कार्यकाल बिता चुके हैं। ऐसे में इन पदों पर नए अफसरों की तैनाती जरूरी है। सूत्रों का

निकाय चुनाव से पूर्व ही यहां पर नए डीआईजी की तैनाती होगी

कहना है कि प्रयागराज जोन और सहारनपुर रेंज के लिए अधिक विकल्प हैं। प्रयागराज जोन में एडीजी की तैनाती से पहले सभी विकल्प और समीकरण पर गौर किया जा रहा है। मौजूदा समय में एडीजी रैंक के 52 अफसर प्रदेश में उपलब्ध हैं। इसमें 8 जोन और तीन कमिश्नरेट में एडीजी रैंक के अफसर तैनात हैं। इसमें लंबी छुट्टी से लौटे जीके गोस्वामी लंबे समय से वेटिंग में चल रह है। मेरठ रेंज के जिले गाजियाबाद और नोएडा में कमिश्नरेट सिस्टम लागू हो चुका है। आगरा रेंज में आगरा जिला कमिश्नरेट बनने की वजह से इनका कार्यक्षेत्र सीमित हो गया है। यही वजह है कि अब सहारनपुर रेंज प्रमुख रूप से बड़ा हो गया है। ऐसे में यहां हर अधिकारी तैनाती चाहता है। एक जनवरी को प्रदेश को 35 से अधिक नए डीआईजी मिल जाएंगे। जिसके बाद विकल्प और बढ़ जाएंगे। मौजूदा समय में रेंज में आईजी और डीआईजी दोनों रैंक के अफसर तैनात किए जा रहे हैं। ऐसे में सहारनपुर के लिए बड़ी संख्या में उपलब्ध आईजी और डीआईजी के नाम में से किसी एक का चयन करना किसी चुनौती से कम नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त जो अधिकारी अगले 31 जनवरी तक रिटायर हो रहे हैं उसमें डीजी और एडीजी के अतिरिक्त पांच डीआईजी रिटायर हो रहे हैं। इसमें फूड सेल में डीआईजी दयानंद मिश्र 31 दिसंबर को, सहारनपुर रेंज के डीआईजी सुधीर कुमार सिंह, स्पेशल इंक्वायरी में तैनात स्वामी प्रसाद, यूपी 112 में डीआईजी सौमित्र यादव और प्रशिक्षण निदेशालय में डीआईजी महेंद्र यादव 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं।

मुजफ्फरनगर मंडी

मुजफ्फरनगर, 09 दिसंबर, (बु.)। मुजफ्फरनगर मंडी में गुड़-शक्कर के भाव ये रहेः- रसकट ढैया-930-950, चाकू 1080-1233, लड्डू 1150-1280, खुरपापाड़ 1070-1112, शक्कर मसाला 1250-1260। आमद-10,000 मन।

अरिहन्त ज्वैलर्स सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 09 दिसंबर, (बु.)। सोना-चांदी के भाव इस प्रकार रहेः-

सोना- 53,500	चांदी-64,000
सिक्का- 750	गिन्नी- 41,000

आपका आज का राशिफल

शनिवार, 10 दिसंबर, 2022

मेष- परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, व्यक्तिगत समस्या का संतोषजनक समाधान, विरोधियों का वर्चस्व में कमी, सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, यात्रा का प्रसंग

वृषभ- स्वास्थ्य में अनुकूलता किसी योजना की पूत हेतु प्रयत्नशील, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, आपसी प्रसन्नता, अध्यवसाय की ओर रुझान, मौजमस्ती के निमित्त व्यय।

मिथुन- कार्य व्यवसाय में विस्तार हेतु किये जा रहे प्रयास सार्थक, परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण, किसी आयोजन का सुअवसर, यात्रा सार्थक।

कर्क- संकल्प-विकल्प की स्थिति, आरोग्य सुख में कमी, परिवार में अशांति, विरोधी प्रभावी, आय की तुलना में व्यय की अधिकता, प्रतियोगिता में असफलता।

सिंह- परिस्थितियों में क्रमिक सुधार, मनोवांछित सफलता का सुअवसर प्राप्त, मान सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न, वरिष्ठजनों की सलाह लाभदायक, सुख के साधन।

कन्या- विचाराधीन योजना का मूर्तरूप में परिणित, व्यापारिक उन्नति, किसी पुरातन विवाद का निर्णय पक्ष में, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, मनोविनोद के अवसर सुलभ।

तुला- नौकरी में प्रोन्नति या स्थानान्तरण हेतु विषयक मसला हल, हस्तियों से सम्पर्क का सुपरिणाम प्राप्त, राजकीय पक्ष से लाभान्वित, नवसमाचार से प्रसन्नता।

वृश्चिक- प्रगति में बाधा, विचारित योजना अधूरी, वाद-विवाद से तनाव, कार्य व्यवसाय अर्थ-पक्ष में निराशा, मानसिक बेचैनी, वाहन से दुर्घटना की आशंका।

धनु- मनोबल से कार्यसिद्धि, शुभ भावनाओं का उदय होने से आत्मिक शांति, दूर समीप की यात्रा का प्रसंग।

मकर- जटिल समस्याओं का संतोषजनक समाधान, व्यक्तिगत कार्यक्षमता में वृद्धि, नौकरी में प्रोन्नति या स्थानान्तरण विषयक मसला हल, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति।

कुम्भ- शारीरिक सुख, कार्यों में प्रगति, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, पारिवारिक प्रसन्नता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, प्रसन्नता।

मीन- व्यावसायिक पक्ष में निराशा, आहार-विहार की अनियमितता से स्वास्थ्य प्रभावी, घरेलू समस्याओं से मन अशान्त, बात-बात पर क्रोध, प्रियजनों से मतभेद।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

गोल्डन पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा की शपथ

यातायात नियमों का पालन करने और कराने का लिया गया संकल्प

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। पचैड़ा रोड स्थित गोल्डन पब्लिक स्कूल में आज शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा सीनियर कक्षा के छात्र-छात्राओं ने सड़क पर सुरक्षित वाहन चलाने तथा सड़क का सुरक्षित प्रयोग करने हेतु सड़क सुरक्षा की शपथ ली।

कार्यक्रम में वाहन चलाते समय सुरक्षा संबंधी बातों का ध्यान रखने, यातायात के नियमों का हमेशा पालन करने तथा दूसरों से भी पालन करवाने का प्रयास करने का, दुपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनने तथा इसी प्रकार कार चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रतिबद्धता दर्शाने की शपथ ली। सभी ने कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने और साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात नहीं करने के अतिरिक्त, हमेशा एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ियों को पहले जाने के लिए रास्ता देने तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद हेतु प्रतिबद्धता की शपथ ली। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूनम वर्मा ने सभी को सड़क सुरक्षा तथा यातायात के नियमों का पालन करने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का प्रयोग करने तथा सड़क के सुरक्षित प्रयोग का आह्वान किया और आशा व्यक्त की कि विद्यालय की छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने से जुड़े लोगों को भी सड़क के सुरक्षित प्रयोग के लिए प्रेरित करेंगे।

सुरक्षित यातायात की सीख

फोटो बुलेटिन: यातायात शपथ ग्रहण करते विद्यार्थी एवं शिक्षकगण।

एस.डी. कॉलेज ऑफ कॉमर्स की छात्राएं अव्वल

फोटो बुलेटिन: शहर में स्थित एस डी कॉलेज ऑफ कॉमर्स की परीक्षा में अव्वल आईं छात्राएं अपने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह के साथ प्रसन्नता व्यक्त करते हुए। उनके साथ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सचिन गोयल व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं।

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें एस.डी. कॉलेज ऑफ कॉमर्स के एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा एवं इस बार भी छात्राओं ने अपने वर्चस्व को कायम रखते हुए प्रथम दो स्थानों को अपने नाम किया। पल्लवी गर्ग ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर युक्ति तनेजा ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त किये एवं तीसरे स्थान पर निलाक्षी गोयल ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरान्वित किया।

महाविद्यालय में इन सभी छात्र/छात्राओं को प्राचार्य द्वारा एम.कॉम. की परीक्षा में उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। छात्र/छात्राओं ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय अपने माता-पिता व महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों को दिया। विभागाध्यक्ष डा. रवि अग्रवाल व सभी शिक्षकों ने छात्र/छात्राओं को शुभकामनाएं दी और प्रेरित किया। प्राचार्य डा. सचिन गोयल ने बताया कि महाविद्यालय में सभी छात्र/छात्राओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ उनके विकास में सहायक सभी प्रकार प्रयास कराये जाते हैं। वाणिज्य संकाय के डा. नवनीत वर्मा, डा. नवेद अख्तर, डा. सुरेशचन्द शुक्ला, डा. रिंकु एस. गोयल, डा. अतुल वर्मा, डा. अजय महेश्वरी, डा. माधुरी अरोरा, अमन वर्मा, मानसी अरोरा, नुपुर अरोरा, डा. मौ. नदीम, डा. जगमोहन सिंह, प्रशान्त, प्राची चौधरी, आशा, कृष्ण कुमार आदि मौजूद रहे।

इंसपायर अवार्ड मानक योजना में जिले के चार मेधावी चयनित

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। शुक्रवार को इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के तहत सहारनपुर में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में जनपद सहारनपुर, शामली व मुजफ्फरनगर के 80 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से 8 बच्चों के मॉडल का चयन राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के लिए किया गया।

जिला प्रभारी डॉ. विकास कुमार ने बताया कि सहारनपुर मंडल में चयनित 8 बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों में से 4 मॉडल मुजफ्फरनगर जनपद के विद्यार्थियों के चयनित हुए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद के 4 चयनित बाल वैज्ञानिकों में सनातन धर्म इण्टर कालेज मीरापुर की छात्रा यशी, सीता शरण इण्टर कालेज खतौली के छात्र कुलजीत बौधयान, होली एन्जल्स कॉनवेन्ट स्कूल की छात्रा दीया बालियान व एस. डी. पब्लिक स्कूल की छात्रा एंजल वर्मा शामिल हैं। विद्यार्थी लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करेंगे। छात्रा यशी ने डिजिटल बस से सम्बन्धित नवाचारी मॉडल बनाया, जिसकी सहायता से बस में सीट रिक्त होने की सूचना बस में बिना चढे बस स्टैन्ड पर खड़े यात्रियों को ज्ञात होगी। छात्रा दीया बालियान ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नवाचारी मॉडल बनाया। कुलजीत बौधयान नें दो पहिया वाहनों के स्टैंड से सम्बन्धित मॉडल व एंजल वर्मा के पर्यावरण डी कम्पोजिशन मॉडल को सराहा। जिला विद्यालय निरीक्षक गजेन्द्र कुमार ने कहा कि आज बदलते समय में नित नई समस्याएं उभर रहीं हैं। उन्हें सिर्फ विज्ञान प्रौद्योगिक और नवाचार की मदद से ही हल किया जा सकता है। विज्ञान प्रदर्शनी में बालक अपने आस पास की जो समस्या देखते हैं, उसको हल करने या सुलभ बनाने हेतु मॉडल बनाते हैं। उसका प्रस्तुतिकरण अन्य विद्यार्थियों के समक्ष करते हैं, जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है और नई तकनीक का विकास होता है।

श्री सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने का विरोध

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, निर्णय वापसी की मांग

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। भारतीय जैन महासंघ की जिला इकाई ने एसडीएम सदर को प्रधानमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में 20 जैन तीर्थ करो और अनंत संतों की मोक्ष स्थली श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पर्वत राज गिरिडीह की स्वतंत्र पहचान, पवित्रता और संरक्षण को देशव्यापी आंदोलन के माध्यम से धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर किए जाने की मांग की।

प्रधानमंत्री के नाम पत्र लिख कर कहा है कि झारखण्ड में पारसनाथ की पवित्र सम्मेद शिखरजी की पावन भूमि को धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर किए जाने के साथ यहां पर खुले आम बनता मांसाहार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। शुक्रवार को भारतीय जैन महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री अखिलेश जैन अशोक जैन ने प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में कहा कि जैन समाज की धरोहर शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने से पवित्रता आज खतरे में है, पवित्र पर्वत पर लोग मांसाहारी भोजन बना रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशासन द्वारा यहां मांसाहार बनाना एक दंडनीय अपराध है और फिर भी ऐसा खुलेआम जब होता है तो वह पावन तीर्थ पर हमारी कमेटियों और प्रशासन पर सवालिया निशान लगा देता है। उन्होंने कहा कि जैन समाज के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान पार्श्वनाथ की तपस्थली है, जहां से 20 तीर्थकर भगवान मोक्ष गए हैं एवं अहिंसा की जन्मभूमि से सम्पूर्ण विश्व को मैत्रीय पूर्ण भूमि की पवित्रता आज खतरे में है। विश्वास नहीं हो रहा है कि शिखरजी की तलहटी में खुल्लम खुल्ला मांसाहार बनता है, पकता है। महासंघ ने प्रधानमंत्री से मांग की कि स्थानीय प्रशासन को पवित्र पर्वत पर ऐसी किसी भी गतिविधि को रोकने के लिए सख्त से सख्त आदेश दें ताकि जैन समुदाय की धार्मिक भावनाओं को कोई भी ठेस न पहुंचे।

वहीं तीर्थराज सम्मेद शिखर में मांसाहार एवं शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ धार्मिक पर्यटन सूची से बाहर किए जाने की मांग को लेकर 11 दिसंबर को होने वाले देशव्यापी आंदोलन की कड़ी में विरोध प्रदर्शन, सभा और रैली के माध्यम से सरकार को पूर्व में जारी किए निर्णय को वापस किए जाने की मांग से सभी को अवगत कराया गया है। उन्होंने समाज के प्रमुख तीर्थ स्थल पार्श्वनाथ पर्वतराज श्री सम्मेद शिखर जी में हो रहे अत्याचार एवं मांसाहार, शराब आदि की बढ़ती बिक्री को लेकर अपनी चिंता जताई और रोष व्यक्त किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से सुदेश जैन, मनोज जैन, प्रमोद जैन, राहुल जैन, अशोक जैन, शुभम जैन, अखिलेश जैन, दीपक जैन समेत जैन समाज से जुड़े कई लोग मौजूद रहे।

फोटो बुलेटिन: डीएम कार्यालय पर ज्ञापन सौंपते जैन समाज के लोग।

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्री उत्तम चन्द्र शर्मा ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक- अंकुर दुआ
दूरभाष: 98370-42840, 94127-10840 मोबाइल 9368549219 (फै.) 7983359929
e-mail: muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2022

सम्पादक की क़लम से

गुजरात और विदेशी मीडिया

गुजरात विधानसभा चुनाव पर विदेशी मीडिया भी नजर रख रहा था, ऐसा इसलिए कि गुजरात प्रधानमन्त्री मोदी का गृह राज्य है। मोदी सरकार की नीतियों पर, मोदी की लोकप्रियता पर, मोदी के विरुद्ध चलने वाले विपक्षी अभियानों पर भी विदेशी मीडिया नजर रखता रहा है। किसी देश के प्रधानमन्त्री की छोटी बड़ी बातों में दूसरे देशों के मीडिया की दिलचस्पी खास बात ही कही जाएगी। गुजरात में बीजेपी की रिकॉर्ड तोड़ जीत और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी खबरें और विश्लेषण चले। वॉशिंगटन पोस्ट ने खबर छापी है कि पीएम मोदी की पार्टी ने एक राज्य में जीत हासिल की, तो एक में हार गई है। वेबसाइट लिखता है कि मोदी की हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी ने मोदी के गृह राज्य गुजरात में 27 साल के अपने नियंत्रण को एक बार फिर कायम किया है, लेकिन उत्तरी राज्य हिमाचल और दिल्ली शहर में सत्ता से बाहर हो गई है। 1995 से गुजरात में बीजेपी ने किसी चुनाव में शिकस्त नहीं देखी है और प्रधानमन्त्री बनने से पहले 13 साल तक मोदी यहाँ से मुख्यमन्त्री थे। अगर पार्टी को गुजरात के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी जीत मिलती, तो इससे मोदी और बीजेपी की स्थिति और मजबूत होती और पार्टी को अधिक जोश से हिंदुत्व के एजेंडे के साथ 2024 के आम चुनावों में उतरने में मदद मिलती। वेबसाइट लिखता है कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और धार्मिक ध्रुवीकरण के बावजूद मोदी की पार्टी राज्य में लोकप्रिय है। वेबसाइट ने एक कांग्रेस नेता के हवाले से गुजरात में मिली हार को 'बड़ा झटका' लिखा है। साथ ही लिखा है कि इस साल अक्टूबर में मल्लिकार्जुन खड़गे को गैर-गांधी पार्टी प्रमुख चुनने के बाद सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे पार्टी के बड़े चेहरों ने चुनावी अभियान में सक्रिय भागीदारी नहीं की। वेबसाइट ने 2002 में हुए गुजरात दंगों का भी ज़िक्र किया और लिखा कि मोदी के आलोचकों ने उन पर खूनखराबे से मुँह मोड़ने का आरोप लगाया। वेबसाइट लिखता है कि मोदी ने इन आरोपों से इनकार किया था और सुप्रीम कोर्ट को उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले। कुछ अखबारों ने पत्रकारिता से इतर कुछ लोगों को खुश करते हुए मोदी की मुखालफत में भी बहुत कुछ लिखा है, जिसका निष्पक्ष पत्रकारिता से कोई लेना देना नहीं दिखता। गुजरात के इस बार के परिणाम ये दर्शाते हैं कि 2017 के विधानसभा चुनावों में 99 सीटें हासिल करने वाली बीजेपी ने एक ऐसी चुनावी रणनीति अपनायी, जिसके कारण इसने 1985 में कांग्रेस द्वारा हासिल किए रिकॉर्ड 149 सीटों को भी पार कर लिया। इस बार आम आदमी पार्टी की शक्ल में राज्य में एक तीसरी ताकत बीजेपी के सामने आई, लेकिन इसका बीजेपी के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा। पार्टी की इस भारी जीत का एक मुख्य कारण नरेंद्र मोदी थे, लेकिन दूसरे कारण भी रहे पार्टी हर चुनाव को बड़ी गंभीरता से लड़ती है और इसमें पूरी ताकत लगा देती है। भाजपा नेतृत्व ने कभी भी आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार की कोविड-19 महामारी से निपटने में विफलता को स्वीकार नहीं किया, लेकिन अंदर से इसे लोगों की नाराजगी का पता था। इसके रणनीतिकारों ने सत्ता विरोधी लहर को दूर करने के लिए राज्य में मुख्यमंत्री समेत कई मंत्रियों को हटाकर सरकार में नए चेहरे लाए गए। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी की रैलियां इस बार पार्टी के चुनाव अभियान के केंद्र में थीं। प्रधानमन्त्री ने 31 रैलियां कीं और इन जनसभाओं को अधिकतर उन क्षेत्रों में आयोजित किया गया, जहां पार्टी तुलनात्मक रूप से कमजोर थी। इन जनसभाओं का भी विदेशी मीडिया में चर्चा रहा। भाजपा ग्रामीण इलाकों में कमजोर रही है, ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचने के लिए पार्टी के पास कई अनूठी पहल थी। भाजपा ने 3500 से अधिक स्थानों पर जादूगर के शो कराए। 4000 जगहों पर नुक्कड़ नाटक किए गए, 1400 स्थानों पर लाइव झांकी और विकास का गरबा नामक कार्यक्रम आयोजित किया। 2017 में 33 से अधिक सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस उम्मीदवारों के बीच हार-जीत का अंतर 2,000 वोट या उससे भी कम था। बीजेपी ने 2017 में 1.49 करोड़ वोट हासिल किए और 2019 के लोकसभा चुनावों तक उसने 1.85 करोड़ वोट हासिल किए। इस बार पार्टी का कहना था कि उसने खुद को दो करोड़ वोट का लक्ष्य दिया था, जो हासिल हो गया। बीजेपी को इस बार एक ऐसी पार्टी से विरोध का सामना था, जो इसकी तरह हिन्दू कार्ड खेल सकती थी और हिंदुत्व की भाषा बोल सकती थी। इसलिए इस बार भाजपा ने सांप्रदायिक टिप्पणियों को कम से कम रखा। पार्टी ने इस बार इस बात का भी ध्यान रखा कि चुनावी रैलियों के दौरान पीएम मोदी, केजरीवाल या आम आदमी पार्टी का बहुत अधिक उल्लेख न करें। पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी के अच्छे प्रदर्शन से लोगों को ऐसा लगने लगा था कि पार्टी बीजेपी का मुकाबला कर सकती है, लेकिन पिछले पांच सालों में पार्टी के कई विधायक बीजेपी में शामिल हो गए, जिससे पार्टी कमजोर होती गयी और फिर कई लोग मानते हैं कि आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध मारी है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 68 विधानसभा सीटों में से 40 सीटों पर जीत दर्ज की है। बहुमत का आंकड़ा हासिल कर चुकी कांग्रेस, प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा को महज 25 सीटों पर ही जीत मिली है। हालांकि दिलचस्प यह भी है कि कांग्रेस केवल 37,974 वोट अधिक लाकर भाजपा को पटखनी देने में कामयाब हुई है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा से महज 37,974 वोट अधिक लाकर उसे सत्ता से बेदखल करने में सफल हुई है। वोट शेयर की बात करें, तो कांग्रेस का वोट शेयर 43.9 फीसदी और भाजपा का वोट शेयर 43 फीसदी रहा है। दोनों पार्टियों के बीच वोट शेयर का अंतर महज 0.9 प्रतिशत है, जो 1951 के बाद सबसे कम है। इन आंकड़ों पर भी विदेशी मीडिया की नजर रही। 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 48.79 प्रतिशत था और उसने 44 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस को 21 सीटें मिली थीं और दोनों दलों के वोट शेयर के बीच 7.11 प्रतिशत का अंतर था।

चार तीर

-सुनील 'उत्सव'

"चादर" "जिन्दगी" "इज्जत" "-झूट"

सच की चादर ओढ़ने आजकल नुकसान है,
झूट ही से जिन्दगी हर मोड़ पर आसान है।
सारी इज्जत, सारी रौनक झूट ही के दम से है,
झूट का इस जिन्दगी पर एक बड़ा अहसान है।

बच्चों ने किया वहलना भ्रमण

मुजफ्फरनगर, 09 दिसम्बर (बुस.)। दून वैली पब्लिक स्कूल के बच्चे कक्षा यू.के.जी व कक्षा एक के विद्यार्थी वहलना शैक्षिक भ्रमण के लिए गए। जहां उन्होंने महावीर भगवान के अत्यंत सुंदर मंदिर के दर्शन किए और विशालकाय प्रतिमा भी देखी। बच्चों को उनकी जीवन शैली के बारे में बताया गया कि वे त्याग की मूर्ति थे। बच्चों ने प्राकृतिक वातावरण में खेलकूद के साथ झूलों का भी आनंद लिया और नेचर वॉक भी किया। इस भ्रमण में बच्चों को धर्मनिरपेक्षता का ज्ञान देने का प्रयास किया गया। ब्रांच हेड मिस ईवा ने बच्चों को महावीर भगवान के त्याग पूर्ण जीवन के बारे में बताया। इस अवसर पर अध्यापिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा।

ग्रामीणों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

प्रधानपति पर लगाया सरकारी भूमि बेचे जाने का आरोप, जांच की मांग

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। शुक्रवार को सदर तहसील के ग्राम अटाली के दर्जनों ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंच डीएम कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रशासन को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पति पर एक व्यक्ति को ग्राम समाज की भूमि रूपये 300000 में बेचे जाने का आरोप लगाते हुए वहां पर दीवार घड़ी के आने का कार्य किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उस व्यक्ति को दीवार खड़ी करने हुक्म गया था, उसने और प्रधान पति ने अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की ग्रामीणों ने इस मामले में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के साथ उक्त सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है। शुक्रवार को डीएम कार्यालय पहुंचे सदर तहसील के ग्राम अटाली के दर्जनों ग्रामीणों ने लोकेंद्र नरेंद्र हरेंद्र तेजपाल सचिन लोकेश पप्पू संजू विमला आदि ने डीएम चंद्र भूषण सिंह से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने ग्राम अटाली के प्रधान पति संजय पुत्र रामचरण पर गांव के ही वीरपाल पर प्रकाश को रूपये 300000 में करीब 1 बीघा सरकारी भूमि पर दीवार कराए जाने का आरोप लगाया। डीएम को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम उक्त ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम प्रधान पति द्वारा किए गए इस कार्य का जब विरोध किया गया, तो उसने उनके साथ अभद्रता करते हुए कहा कि गांव की जीतने की बंजर में अन्य प्रकार की भूमि है, उस सबको में भेज दूंगा, जिसको जो करना हो कर ले। ग्रामीणों ने डीएम से इस मामले में तहसीलदार सदर से मामले की जांच किए जाने के साथ संजय पुत्र रामशरण व मौजूदा ग्राम प्रधान पर कानूनी कार्यवाही किए जाने के साथ उक्त कब जाए हुई भूमि को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की। इस दौरान दर्जनों महिला व पुरुष कलेक्ट्रेट में मौजूद रहे।

एसडी जू. विंग में मनाया गया मानवाधिकार दिवस

मुजफ्फरनगर, 09 दिसम्बर (बुस.)। एसडी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में शुक्रवार को मानव अधिकार दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र स्वीकार किया था, तब से प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर को मानव अधिकार के रूप में यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 'केजी 'बी' के विद्यार्थियों ने मानव अधिकारों से संबंधित विभिन्न जानकारी, महत्व, मनाने के कारण की जानकारी प्रदान की। छात्रा रिदा हाशमी ने इस दिवस के बारे में विशेष जानकारी दी। गौरी, नव्या, शिवान्या, अक्षत, अभय, अर्श, आयुषी, अगम, अर्नव, देव प्रताप आदि छात्रों द्वारा मानव अधिकारों से संबंधित डेमो प्रस्तुत किया गया। छात्र अयान गर्ग, लिपि अरोरा, शिवांश शर्मा ने सुंदर कविताएं प्रस्तुत की। कक्षा 1 से लेकर 4 तक के विद्यार्थियों के लिए मानव अधिकार से संबंधित बैनर मेकिंग गतिविधि कराई गई, जिसमें बच्चों ने बहुत सुंदर सुंदर बैनर बनाए। रेनू गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि मानव अधिकार दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। सम्मान, स्वतंत्रता और समानता मानव जीवन के मूल अधिकार हैं। इसलिए संपूर्ण विश्व में मानवीय अधिकारों को पहचान देने और अस्तित्व में लाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर हम अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने का प्रण लें।

कैराना में अध्यक्ष पद हेतु पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में

कैराना, 09 दिसम्बर (बु.)। जिले में सभी निकायों पर आरक्षण की स्थिति साफ होते ही दावेदारों ने ताल ठोकनी शुरू कर दी है। इससे पूर्व में भी कैराना अध्यक्ष पद हेतु मुख्य तौर पर चार प्रत्याशी मैदान में उतर चुके है और अपनी अपनी दावेदारी पेश कर वोटरों को लुभाने के लिए सारे हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए है। दरअसल कैराना नपा की बहुत ही अहम सीट मानी जाती है। यहां कई दिग्गजों ने विधानसभा और नपा में अपनी ताल ठोकर जीत दर्ज कर रखी है। ऐसे ही हाल में नपा का सीमा विस्तार भी हुआ है, जिसको लेकर 28 वार्ड बन चुके है। अब बिरादरी की भागीदारी से ही अपनी अपनी चुनाव में ताल ठोकने के लिए पांच प्रत्याशी मैदान में उतर चुके हैं, जिनमें हसन परिवार से हाजी अनवर हसन जो वर्तमान में चेयरमैन है और अब प्रत्याशी है। इसके अलावा स्वर्गीय सांसद हुकुम सिंह परिवार से उनका भतीजा सेठपाल भी आमने सामने है, तो वहीं पूर्व चेयरमैन राशिद अली भी है। अब देखना होगा की इसके अलावा कितना प्रत्याशियों की फौज बढ़ सकती है, यह तो समय ही बताएगा। बताते चले की कई दावेदारों ने राजनीतिक आकाओं की शरण ले ली है, वहीं कई अपने बिरादरी के वोट और विधानसभा में उपेक्षा होने का हवाला देकर टिकट मांग रहे हैं। अध्यक्ष पद की सीट सामान्य होने पर दावेदारों की संख्या बढ़ गई है। इस सीट पर चुनाव में उतरने को किसी बिरादरी के लिए बंदिश नहीं है। अब दावेदारों के नाम भी सामने आने लगे हैं। नगर पालिका की बात करें, तो यहां पर भाजपा में काफी पहले ही दावेदारों ने आवेदन पार्टी जिलाध्यक्ष को सौंप दिए थे, लेकिन सुर्खियों में और वोट की मांग में अभी सेठ पाल ही सामने हैं। उधर परिवार से हाजी अनवर हसन हैं और उनके भतीजे विधायक नाहिद हसन भी जेल से बाहर आ चुके हैं और चुनाव में अगर सपा का जो इशारा हुआ, वहीं विधायक स्पॉट करेंगे अब देखना होगा कि पार्टी की तरफ से किसको टिकट होता है, यह तो अभी तय नहीं किया। हालांकि अभी और भी प्रत्याशियों की फौज बढ़ सकती हैं

रक्त संबंधियों के बीच संपत्ति हस्तांतरण पर स्टांप शुल्क छूट में बढ़ोतरी की मांग

यूपी में उपहार गिफ्ट की समय सीमा बढ़ाने को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर, 09 दिसम्बर (बु.)। उत्तर प्रदेश दस्तावेज लेखक एसोसिएशन की जिला इकाई के अध्यक्ष चौधरी प्रमोद कुमार ने जनपद के ऐसे पात्रों को सरकार की ओर से मिलने वाली छूट का लाभ उठाने को और समय सीमा में वृद्धि की जाने की मांग की है, ताकि पारिवारिक ब्लड रिलेशन में सरकार की ओर से मिल रही छूट का ऐसे परिवार भविष्य में भी लाभ उठा सकें। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने प्रशासन के माध्यम से मंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम सौंपे ज्ञापन के माध्यम से आदेश की समय सीमा में बढ़ोतरी किए जाने की मांग की। प्रदेश में योगी सरकार की पहल पर बीते 18 जून को पारित आदेश का हवाला देते हुए बताया कि छूट की यह योजना मात्र 6 माह के लिए दी गई थी जो दिसंबर में समाप्त हो गई है। एसोसिएशन का दावा है कि प्रदेश के लोगों को मिली इस छूट के कारण बड़ी संख्या में वाद विवाद समाप्त होने की संभावनाएं बड़ी है, वहीं शासन को भी स्टांप एवं निबंधन शुल्क में भी काफी आय की वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की कि ऐसे पात्रों जो पारिवारिक ब्लड रिलेशन में इस योजना का लाभ पाने के इच्छुक हैं, ऐसे लोगों के लिए छूट की समय सीमा को और अधिक बढ़ाया जाए।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शासन स्तर पर जारी आदेशों के बीच स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की प्रमुख सचिव वीना कुमारी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार बताया गया था कि अगर प्रदेश का कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति अपने रक्त संबंधियों के नाम करना चाहे, तो उसे इसके लिए अब स्टांप ड्यूटी की अधिकतम सीमा 5000 रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आसन ने रक्त संबंधियों के बीच संपत्ति हस्तांतरण पर स्टांप शुल्क में छूट की अधिसूचना 6 माह के लिए शुरू की थी जो आगामी 17 दिसंबर को पूर्ण हो गई है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की प्रमुख सचिव वीना कुमारी की ओर से जारी उस वक्त जारी की गई अधिसूचना के अनुसार अगर प्रदेश का कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति अपने रक्त संबंधियों के नाम करना चाहे तो उसे इसके लिए अब स्टांप ड्यूटी की अधिकतम सीमा 5000 रुपये कर दी गई है। इस व्यवस्था को छह माह के लिए लागू किया गया था। बता दे योगी सरकार की पहल पर परदेस में शासन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार स्टांप ड्यूटी की अधिक तम सीमा पिता, माता, पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, पुत्रवधू (पुत्र की पत्नी), दामाद (पुत्री का पति), सगे भाई, सगी बहन, पुत्र/पुत्री का पुत्र/पुत्री के नाम हस्तांतरित की जाने वाली अचल संपत्ति के लिए लागू होगी। अब तक अर्जित संपत्ति को परिजनों को दान करने पर संपत्ति को बेचने पर लगने वाले शुल्क के बराबर राशि जमा करनी पड़ती थी। 14 जून को कैबिनेट ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी थी।

नई कार्यकारिणी के लिए एल्डर कमेटी का गठन

कैराना, 09 दिसम्बर (बु.)। बार एसोसियेशन की वर्ष 2023 की कार्यकारिणी के चुनाव के लिए एल्डर कमेटी का गठन किया गया। शुक्रवार को बार भवन में अधिवक्ताओं की एक आम सभा हुई। सभा की अध्यक्षता बार एसोसियेशन के अध्यक्ष राम कुमार वशिष्ठ व संचालन महासचिव जावेद अली ने किया।

सभा के दौरान बार एसोसियेशन की वर्ष 2023 की कार्यकारिणी के चुनाव के लिए एल्डर कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान चौधरी रियासत अली एड को चेयरमैन व ईशपाल सिंह एड, प्रदीप जैन एड, मुख्तार हुसैन एड व ब्रहमपाल सिंह एड को एल्डर कमेटी का सदस्य बनाया गया। जल्द ही एल्डर कमेटी चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगी।

छात्र-छात्राओं को दी जल बचाव की जानकारी

बुढ़ाना, 09 दिसम्बर (बु.)। शुक्रवार को बुढ़ाना ब्लॉक के गांव मदीनपुर खिजरपुर व हरियाखेडा में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर नीलू शर्मा और मास्टर ट्रेनर नरेंद्र मलिक ने छात्र-छात्राओं को जल बचाव के बारे में पूरी जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना ब्लाक में राज्य सरकार के निर्देश पर राज्य स्तरीय ट्रेनर नीलू शर्मा द्वारा जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें उनके द्वारा जल शक्ति अभियान व जल संरक्षण संचयन के उपयोग के बारे में स्कूल के छात्रों को जानकारी दी जा रही है कि हमें पानी का बचाव किस-किस प्रकार से करना चाहिए। यह बात दोनों ट्रेनरों द्वारा छात्र-छात्राओं को बहुत ही अच्छे तरीके से समझाई गई और पर्यावरण के बारे में भी बहुत सी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। छात्र-छात्राओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें नीलू शर्मा द्वारा बच्चों का मनोबल बढ़ाया गया और बच्चों को यह भी संकल्प दिलाया गया कि सभी बच्चों को अपने अपने घर में एक पौधा जरूर लगाना है और बहते हुए बरसात के पानी को रोककर संग्रह करना है, जिससे वह पानी बर्बाद ना हो सके, तब छात्राओं ने भी पानी को बिना वजह बर्बाद ना करने की बात कही, जिस पर राज्य स्तरीय ट्रेनर श्रीमती नीलू शर्मा ने समस्त छात्र-छात्राओं का इसके लिए खूब धन्यवाद किया।

समीक्षा बैठक में पहुंचे तहसीलदार

बुढ़ाना, 09 दिसम्बर (बु.)। शुक्रवार के दिन भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के बुढ़ाना तहसील अध्यक्ष सुधीर पंवार की देखरेख में एक समीक्षा बैठक तहसील बुढ़ाना के बाहर हाल में आयोजित की गई, जिसमें संगठन को आगे बढ़ाने एवं मजबूत करने के लिए चर्चा की गई तथा तहसीलदार बुढ़ाना सतीश चंद्र बघेल को समीक्षा बैठक में बुलाकर तहसील क्षेत्र के काफी किसानों की समस्याओं से अवगत कराकर उनको हल कराने के लिए अनुरोध किया गया। तहसीलदार सतीश चंद्र बघेल ने सभी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया और कहा कि प्राथमिकता के आधार पर किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। इस समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से अंकित चौधरी जिला अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक, पश्चिमी प्रभारी राजीव दुलेहरा, मांगेराम पंवार, ब्लॉक सचिव बुढाना प्रवीण कुमार और ब्लॉक अध्यक्ष शाहपुर आदित्य बालियान आदि दर्जनों कार्यकर्ता सम्मिलित रहे। दूसरी ओर समीक्षा बैठक में भाकियू अराजनैतिक के मेहनती कार्यकर्ता सूबेदार मुकेश शर्मा को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का नगर अध्यक्ष बुढ़ाना सम्मति से बनाया गया।

JOB VACANCY
Educated Male Staff Requirement at Sparkles Jewellery Showroom
-: Contact :-
SPARKLES
GF 2-3, ASJ Grand Plaza Mall, Bhopa Road, Muzaffarnagar
M. 7906683065

आवश्यकता है

हैल्पर की, जो मशीन पर कार्य कर सके।
-: सम्पर्क करें :-
किरन प्लास्टिक
अरिहन्त स्टील रोड, निकट 66 के.वी. पावर सब स्टेशन, सूजडू चुंगी, मुजफ्फरनगर
M. 9412212812

पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दिखाया जलवा

-भारोत्तोलन, पावर लिफ्टिंग व बॉडी बिल्डिंग माँ शाकुंभरी अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में 04 गोल्ड सहित जीते 07 मेडल

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। श्रीराम कॉलेज के छात्रों ने माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर के अंतर्गत चल रही अन्तरमहाविद्यालय भारोत्तोलन, पॉवर लिफ्टिंग व बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अंतरमहाविद्यालय पॉवर लिफ्टिंग तथा बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता चैम्पियनशिप साथ-साथ दूसरे मुकाबलों में 04 गोल्ड सहित 07 पदक जीत कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। श्रीराम कॉलेज बीपीईएस द्वितीय वर्ष के छात्र सौरभ ने भारोत्तोलन (109 किलोग्राम) पुरूष वर्ग में सर्वोच्च प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। आकाश कुमार ने भारोत्तोलन (83 किलोग्राम) पुरूष वर्ग में सिल्वर पदक पाया। बीपीएड द्वितीय वर्ष के छात्र निखिल कुमार ने पॉवर लिफ्टिंग (83 से 93 किलोग्राम) पुरूष वर्ग में गोल्ड मेडल के साथ बेस्ट स्ट्रांग मैन ट्राफी पर कब्जा किया तथा बीबीए प्रथम वर्ष के छात्र सत्यम ने इस प्रतियोगिता के (60 से 65 किग्रा) में गोल्ड, वही बीपीईएस द्वितीय वर्ष के छात्र आकाश ने पॉवर लिफ्टिंग (83 किलोग्राम वर्ग) में गोल्ड, बीपीईएस द्वितीय वर्ष के छात्र सौरभ कुमार ने पॉवर लिफ्टिंग (109 किग्रा) में कास्य पदक पाया। बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में बीपीईएस प्रथम वर्ष के छात्र शोएब ने 50 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल के साथ-साथ बेस्ट मस्कुलर मैन की ट्रॉफी पर कब्जा किया। बीबीए प्रथम वर्ष के छात्र सत्यम ने इसी प्रतियोगिता में 65 किग्रा. वर्ग भार में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। अंतर महाविद्यालय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता तथा बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में श्रीराम कॉलेज की टीम प्रथम स्थान पर रही। टीम के मैनेजर प्रमोद कुमार तथा कोच प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता 08 दिसम्बर से 09 दिसम्बर तक इंद्रप्रस्थ इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टैक्नोलॉजी, ऊमाही कोटा, सहारनपुर में हुई। कॉलेज की निदेशक डा. अशोक कुमार ने बधाई दी। महाविद्यालय आगमन पर प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल ने प्रतीक चिन्ह भेंट किए। आईक्यूएसी समन्वयक डा. विनीत कुमार शर्मा और श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलिजेज के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार चौधरी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रमोद कुमार तथा प्रवक्ता भूपेन्द्र कुमार, डा. अब्दुल अजीज खान, संदीप कुमार, अमरदीप, प्रशांत कुमार, तरूण कुमार उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता श्री पूरण के चार जीवित वारिस हैं, जिनका नाम रामकिशोर, मनोहर, रमेश व विनोद हैं। मेरे पिता पूरण का एक सम्पत्ति (मकान) नं. 392, रामलीला टिल्ला, तहसील सदर, जिला मुजफ्फरनगर में है, जिसके मैं एवं मेरे तीनों भाई वारिस हैं। मुझे पता चला कि मेरा सबसे छोटा भाई विनोद उपरोक्त सम्पत्ति (मकान) नं. 392, रामलीला टिल्ला, तहसील सदर, जिला मुजफ्फरनगर को बेचने की फिराक में लगा हुआ है और इसी सम्बन्ध में उसने किसी अज्ञात व्यक्ति से दो लाख रुपये भी बयाने के तौर पर ले लिये हैं। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति हमारी उपरोक्त सम्पत्ति (मकान) नं. 392, रामलीला टिल्ला, तहसील सदर, जिला मुजफ्फरनगर को खरीदता है, तो वह गैर कानूनी होगा और इसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

रामकिशोर पुत्र श्री पूरण
निवासी : म.नं. 365, गली नं. 7, रामलीला टिल्ला, मुजफ्फरनगर

कार्यालय-जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा)

जनपद-मुजफ्फरनगर

कमरा नं 304-305, तृतीय तल विकास भवन

पत्रांक : 597/1/डूडा-मु0नगर।/2022-23 — दिनांक 09-12-2022

अल्पकालीन ई-निविदा/निविदा सूचना

जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा, मुजफ्फरनगर द्वारा मा0 विधायक/मा0 सांसद निधि योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से जिला नगरीय विकास अभिकरण में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन www.etender.up.nic.in उक्त निविदाओं का विवरण एवं प्रपत्र वेबसाइट से प्राप्त तथा अपलोड करने की दिनांक 12-12-2022 से 19-12-2022 दोपहर/सायं 5:00 बजे तक है तथा उक्त योजना के मैनुअल टेण्डर हेतु डूडा कार्यालय के सूचना पट पर लिखित कार्यों के अनुसार निविदा प्रपत्र डूडा कार्यालय से दिनांक 12-12-2022 से 19-12-2022 की दोपहर/सायं 3:00 बजे तक प्राप्त करने तथा तद्दिनांक को ही डूडा कार्यालय में रखे सील्ड बॉक्स में सायं 5:00 बजे तक डाला अनिवार्य है तथा दोनों निविदाओं को दिनांक 20-12-2022 को दोपहर/सायं 12:00 बजे खोला जायेगा।

परियोजना अधिकारी,
जिला नगरीय विकास अभिकरण,
डूडा, मुजफ्फरनगर

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)
परियोजना निदेशक
जिला नगरीय विकास अभिकरण
डूडा, मुजफ्फरनगर

तेजी से गिरा पारा, ठिठुरन में अलाव बने सहारा

▶ दो सप्ताह में न्यूनतम तापमान में सात डिग्री तक गिरावट

अधिकतम तापमान 24.2
न्यूनतम तापमान 6.6

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। दिसंबर का एक एक दिन आगे बढ़ते पारा तेजी से नीचे खिसकने लगा है। इसके चलते ठिठुरन बढ़ गई है और अब दिन में भी तापमान में गिरावट आ रही है, लेकिन गुलाबी धूप ने दिन के तापमान को संभाल रखा है। नगर में आज अधिकतम तापमान जहां 24.2 डिग्री रहा, वहीं न्यूनतम तापमान आज 6.6 डिग्री दर्ज किया गया। इस तरह पिछले दो सप्ताह में न्यूनतम तापमान में सात डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस बार ठंड कुछ देर से शुरू हुई, लेकिन दिसंबर में ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अभी कोहरा का प्रकोप बहुत अधिक नहीं है। सुबह के समय जरूर कोहरा कुछ समय तक दिखाई दे रहा है, लेकिन बाद में धूप के चलते दिन काफी सुकून दे रहा है। पहाड़ों पर एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर यह हुआ है कि तापमान में तेजी से गिरावट आई है। नगर में आज अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट आई, जबकि न्यूनतम तापमान में आज खासी गिरावट के बाद यह 6.6 डिग्री तक नीचे आ गया है। शाम से लेकर सुबह तक ठंड का प्रकोप काफी मारक साबित हो रहा है। इसके चलते ठिठुरन बढ़ने के साथ लोगों को अलाव जलाकर सर्दी भगानी पड़ रही है। रात में बाजारों की रौनक जल्द गायब हो रही है। विवाह समारोहों में भी जल्द ही मेहमान लौटने लगे हैं। इसके चलते शाम के बाद वही लोग बाहर निकल रहे हैं, जिन्हें किसी जरूरी काम से जाना होता है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी तापमान में गिरावट का यह दौर चलता रहेगा। ऐसे में आने वाले दिनों में मौसम और बेईमान होने जा रहा है।

श्री श्री गोलोकधाम में सर्दी के डर से गर्म कपड़ों में लिपटे राधा माधव सरकार

ना अलाव जले ना हुई रैन बसेरे की व्यवस्था

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होने के बावजूद अभी तक शहर में पालिका और प्रशासन की ओर से जलाए जाने वाले अलाव नदारद हैं। रेलवे स्टेशन के रैन बसेरे पर भी अभी कोई व्यवस्था अभी नजर नहीं आ रही है। ऐसे में फ्लाईओवर समेत कई स्थानों पर खुले में सोने वाले गरीब बेसहारा लोग सर्दी से ग्रस्त हो चुके हैं और जहां तहां सहारा तलाश कर रातें गुजार रहे हैं। इन लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन और समाजसेवी संगठन जल्द ऐसे लोगों की सुध लेंगे, ताकि उन्हें सर्दी के सितम से कुछ राहत मिल सके। फिलहाल कड़कड़ाती ठंड का दौर इन लोगों की परीक्षा ले रहा है। नगर पालिका में बनने वाला अस्थाई रैन बसेरा भी बनने के कोई आसार अभी नजर नहीं आ रहे हैं।

राधा रानी और बांके बिहारी भी गर्म वस्त्रों में लिपटे

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। सर्दी का मौसम आते ही श्री श्री गोलोक धाम सहित तमाम मंदिरों में ठाकुर जी और ठकुराईन गर्म वस्त्रों में नजर आ रहे हैं। गांधी कॉलोनी स्थित श्री श्री गोलोक धाम में बिहारीजी और राधारानी को पशमीनी शाल धारण कराकर ऊपर से गर्म कपड़ों की पोशाक पहनाई जा रही है। शयन शैया पर भी हल्के सूती चादर, गद्दों का स्थान अब शैमल की रुई के शनील चढ़े गद्दों, सात तकियों और रजाई ने ले लिया है। प्रात: काल 8 बजे शृंगार भोग में केसर मिश्रित मूंग की दाल का हलवा, माखन-मिश्री, काजू, किसमिस, चिरोंजी, पिश्ता, बादाम, अखरोट इत्यादि मेवाओं का प्रयोग खाद्य पदार्थों में होने लगा है। दोपहर राजभोग में कच्चे भोजन में दी जाने वाली खीर में सूखे मेवे डाले जा रहे हैं।

कम्पनी मालिक और उसके दो पुत्रों ने हड़पे साढ़े छह लाख रुपए

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। एक फैक्ट्री मालिक ने मशीन बनाने वाली कम्पनी के मालिक और उसके दो पुत्रों पर साढ़े छह लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दर्ज की गई है। एसएसपी को दिये शिकायती पत्र में जानसठ थाना क्षेत्र के गांव भलेड़ी निवासी सुधीर कुमार सैनी पुत्र लालत सिंह सैनी ने बताया कि वह मेरठ के मोदीपुरम में गन्ने के रस से बने उत्पाद बेचने का काम करता है। अपने कार्य के सिलसिले में उसे तीन मशीनें बनवानी थी, जिसके लिये उसने गऊशाला रोड निवासी रामकुमार धीमान से सम्पर्क किया। वह मशीनें बनाने का कार्य करता है। पीड़ित ने बताया कि तीन मशीनों को बनवाने के लिये उसने रामकुमार धीमान, उसके पुत्र सचिन धीमान व नीरज धीमान को 6 लाख 42 हजार रुपए 20 सितम्बर, 2020 को दिये थे। पैसे लेने के बावजूद आरोपियों ने उसे मशीनें नहीं दी और रुपए वापस मांगने पर उसे धमकी दी जा रही है। एसएसपी ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एक ओर पॉलीथीन पर रोक और गौवंश की सेवा की बात की जा रही है तो दूसरी ओर मंडी समिति रोड पर यह नजारा देखिए जहां भोजन की तलाश में पॉलीथीन निगलकर गौवंश भूख मिटा रहा है।

अटाली गांव के पांच वांछित हमलावर गिरफ्तार

बुढ़ाना, 09 दिसम्बर (बु.)। कोतवाली क्षेत्र के गांव अटाली में 24 नवंबर को डोलबंदी के विवाद को लेकर कश्यप समाज के हरिओम व पाल समाज हरपाल के परिवार के बीच जमकर लाठी डंडे व धारदार हथियार चले थे। इस घटना में घायल अमित पाल की मौत हो गई थी। मृतक के तहेरे भाई अंकित ने 11 लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस इस घटना के हमलावर व वांछित अभियुक्त पंकज, संजीव, हरिओम, सुनील व वरूण को कस्बे के खतौली तिराहे से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्ज से हमले में प्रयोग धारदार हथियार बरामद किए। पूछताछ के बाद पुलिस ने सभी आरापियों का चालान कर दिया।

सड़क हादसों में पति-पत्नी समेत कई घायल

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। सिखेड़ा क्षेत्र में निर्माणाधीन हाईवे के कार्य में लगे डम्फर में पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में डम्फर चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया। ट्रक चालक अपना ट्रक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। नई मंडी क्षेत्र में भी कूकड़ा रोड पर एक बाईक पर सवार तीन युवकों ने एक अन्य बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पति-पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये। दोनों मामलों की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई है। सिखेड़ा थाने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में शामली जनपद के थानाभवन थाना क्षेत्र के गांव नौजल निवासी ब्रजपाल पुत्र धीरज सिंह ने बताया कि पानीपत-खटीमा राजमार्ग का निर्माण कर रही कम्पनी में ट्रक संरक्षक के पद पर तैनात है। रिपोर्टकर्ता ने बताया कि देर रात सिखेड़ा राजवाहे के पास हाईवे निर्माण में लगा डम्फर सड़क किनारे खड़ा था, तभी सामने से आये भूसे से भरे ट्रक ने डम्फर में टक्कर मार दी, जिससे डम्फर चालक जगदीश पुत्र राजवीर सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल का चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर-के कार्यवाही शुरू कर दी है। एक अन्य घटना में नई मंडी थाने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में मनोज कुमार पुत्र बेदपाल निवासी आदर्श कॉलोनी ने बताया कि वह अपनी पत्नी प्रीति सिंघल के साथ बाइक पर सवार होकर कूकड़ा रोड से जा रहा था। सामने से एक अन्य बाइक आई, जिस पर तीन युवक सवार थे। उक्त बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह और उसकी पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

व्यापारी से सस्ता सरिया दिलवाने के नाम पर तीस लाख की ठगी

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। सस्ता सरिया दिलवाने के नाम पर एक व्यापारी से 30 लाख रुपए ठग लिये गये। रुपए वापस मांगने पर उसे हत्या की धमकी दी जा रही है। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट एसएसपी के आदेश पर दर्ज हुई है। एसएसपी से की गई शिकायत में बुढ़ाना मोड खांजापुर निवासी संजीव कुमार पुत्र राजकुमार ने बताया कि वह बिल्डिंग मैटेरियल बेचने का कार्य करता है। पीड़ित ने बताया कि अंतिम उर्फ प्रीति पत्नी मोनू का उसके घर आना-जाना था। अंतिम ने उसके परिजनों को बताया कि उसका पति मोनू व देवर सोनू अलग-अलग सरिया मिल में कार्य करते हैं और वह उसे सस्ता सरिया दिलवा सकते हैं। उक्त लोगों की बातों पर भरोसा करके उसने उन्हें तीस लाख रुपए सरिया लेने के लिये एडवांस दे दिये। काफी इंतजार के बाद भी जब उसे सरिया नहीं मिला, तो उसने अपने पैसों का तकाजा किया, जिस पर उसे दस-दस लाख के तीन चैक दे दिये गये। तय तारीख पर जब उसने दिये गये चैकों से रकम निकालने का प्रयास किया, तो मालूम चला कि आरोपियों के खातों में पैसे ही नहीं थे। पीड़ित का आरोप है कि अब अर्तिमा उर्फ प्रीति, मोनू, सोनू व सोनू की पत्नी उसे रुपए वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके कार्यवाही शुरू कर दी है।

अवैध पिस्टल और संदिग्ध बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। सिविल लाइन पुलिस ने एक अन्तर जनपदीय बदमाश को अवैध पिस्टल व संदिग्ध बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइन पुलिस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु गश्त पर थी। गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक शातिर बदमाश अपाचे बाइक पर सवार होकर मेरठ की ओर से बाईपास पर आ रहा है। पुलिस ने संधावली अंडरपास पर बताये गये बाइक सवार को रोककर उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से एक देशी पिस्टल व कारतूस बरामद हुए। बरामद बाइक भी जांच में संदिग्ध निकली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी मेरठ के लिसाढ़ी गेट निवासी इकबाल उर्फ कालू पुत्र बशीर है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी को जेल भेज दिया है।

सड़क हादसे में ग्रामीण घायल

बुढ़ाना, 9 दिसम्बर (बु.)। कस्बे की सफीपुर पट्टी का रहने वाला राकेश (55) शुक्रवार को दोपहर करीब 2 बजे किसी काम से कस्बे के चौ. चरण सिंह तिराहे पर सड़क किनारे खड़ा हुआ था। इसी दौरान वह ट्रक की चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल अवस्था में राकेश को कस्बे की सीएचसी पर भर्ती करवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्यालय रैफर किया गया। इंस्पेक्टर रवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि ट्रक के चालक को हिरासत में तथा ट्रक को कब्जे में लिया गया है। समाचार लिखे जाने तक घटना की तहरीर पुलिस को प्राप्त नहीं हुई थी।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने जीएसटी छापों का किया विरोध

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक बैठक जिला प्रभारी राजेंद्र सिंघल के प्रतिष्ठान पर हुई, जिसमें व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री संजय मित्तल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। उन्होंने अपने संबोधन में जीएसटी के छापों का विरोध करते हुए कहा कि व्यापारी पहले ही पूरे देश के अंदर कोरोना की मार से मर चुका है, उसके बाद जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों का उत्पीड़न करना बिल्कुल भी न्यायोचित नहीं है। अगर जीएसटी विभाग ने अपनी मनमानी बंद नहीं की, तो व्यापार मंडल इसका पुरजोर विरोध करेगा। जिला अध्यक्ष महेश चैहान ने कहा कि जब सरकार द्वारा यह घोषणा की गई है कि पिछले वर्षो से जीएसटी डेढ़ गुना ज्यादा व्यापारियों ने सरकार को दिया है। अधिकारी वर्ग व्यापारी से क्या चाहते हैं, यह उत्पीड़न किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। व्यापारियों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर न किया जाये। बैठक में मुख्य रूप से प्रमोद त्यागी, राकेश ढींगरा, धारा सिंह पाल, अंशुमन अग्रवाल, जयपाल शर्मा, नीरज बंसल, विवेक गर्ग, अमित, राय जैन, नरेश अरोरा, अमित, बंटी, पुनीत सिंगल, अमजद सैफी, राजीव मित्तल, उज्जवल मित्तल, महमूद आलम, मनमोहन मूंदड़ा, राजेश गोयल, अनुज सिंघल, अंकित गर्ग, आशुतोष गुप्ता, बंटी गाबा, सुमित बारी, तरुण बंसल, महेंद्र मित्तल, पुनीत गर्ग आदि काफी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

महिला ने 2 बेटियों को लगा दी आग

बेंगलुरु, 9 दिसंबर (वार्ता)। कर्नाटक में आज सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वहां के कोलार जिले के मुलाबागिलु में एक ज्योति नाम की महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी 2 लड़कियों को आग के हवाले कर दिया। यहां तक की उसकी एक बेटी केवल 6 साल की थी। मामले का पता लगते ही पुलिस ने ज्योति को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सभी लोग आंध्र प्रदेश के रामसमुद्रम में कुरुबनहल्ली के रहने वाले हैं।

गृह क्लेश में महिला की जहरीले पदार्थ का सेवन करने से मौत, पुलिस ने जलती चिता से शव निकलवाया

▶ मृतका की माँ ने दामाद के विरुद्ध आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने व अन्य के विरुद्ध साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज कराया ▶ मृतका की बहन ने पति पर लगाया था हत्या का आरोप

मीरापुर, 09 दिसम्बर (बु.)। गांव खेड़ी में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की बहन की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस ने जलती चिता से मृतका के शव को बाहर निकलवाकर शव को पोस्टमार्टम पर भिजवाया मृतका की बहन ने ससुराल पक्ष पर हत्या करने का आरोप लगाया। देरशाम थाने पहुँची मृतका की माँ ने दामाद के विरुद्ध अपनी पुत्री को आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने का व अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज कराया। मीरापुर थानाक्षेत्र के गांव खेड़ी निवासी विवाहिता नीशू शर्मा पत्नी मनीष उर्फ सोनू की शुक्रवार की सुबह संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। नीशू की अचानक मौत होने से गांव में तरह तरह की चर्चा व्याप्त हो गई। मृतका के पति व ससुराल पक्ष के अन्य लोग आनन-फानन में उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव में स्थित शमशान में ले गए, तथा अंतिम संस्कार शुरू कर दिया। इसी बीच किसी से मृतका की छोटी बहन आरती निवासी मेरठ को इसकी सूचना दी, जिस पर मृतका की बहन मेरठ से खेड़ी आ गई तथा मृतका के ससुराल पक्ष पर नीशू की हत्या करने का आरोप लगाते हुए डायल 112 पर फोन कर पुलिस की सूचना दी, जिस पर विवाहिता की हत्या की सूचना से पुलिस में हड़कम्प मच गया। आनन-फानन में मीरापुर इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह डायल 112 व अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुँच गए तथा सूचना देने वाली मृतका की बहन से वार्ता कर मृतका नीशू के अधजले शव को जलती चिता से बाहर निकलवाया तथा पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया मृतका की बहन आरती ने बताया कि उसके पिता विद्यासागर शर्मा सिंचाई विभाग में कार्यरत थे, जिनकी मौत के बाद उनकी माता कुसुमलता की मृतका आश्रित में नौकरी लग गई थी तथा उसकी बहन नीशू की शादी करीब 16 वर्ष पूर्व मनीष के साथ हुई थी। दोनों के तीन बच्चे विशांक, लखन व छवि है, आरती का आरोप है कि मनीष छोटी छोटी बात पर नीशू के साथ मारपीट करता था तथा उसकी माँ कुसुमलता कुछ दिन बाद सेवानिवृत होने वाली है, जिसके लिए उन्हें रिटायरमेंट पर मिलने वाले फंड, भत्ते पेंशन व अन्य अनुदान की राशि की आधी रकम को नीशू का पति मनीष जबरन उस माँ से लेने के लिए दबाव बना रहा था, जिसके लिए नीशू ने इंकार कर दिया, जिस पर मनीष उसे आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने लगा तथा पति के उत्पीड़न से मानसिक रूप से परेशान होकर शुक्रवार को नीशू ने जहरीले प्रदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। देर शाम मीरापुर थाने पहुँची मृतका की माँ ने दामाद मनीष के विरुद्ध अपनी पुत्री नीशू को आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने तथा कुछ अज्ञात लोगों के विरुद्ध शव को आनन फानन में जलाकर साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज कराया। मामले पर मीरापुर इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मृतका की माँ कुसुमलता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

मीरापुर के खेड़ी में महिला द्वारा आत्महत्या करने के बाद पुलिस द्वारा जलती चिता से निकाले गये महिला के शव को सील करती पुलिस।

धार्मिक जुलूसों के लिए सख्त नियम की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में धार्मिक जुलूसों के लिए सख्त नियम की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिका पर फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी तस्वीर नहीं बनाए कि सभी धार्मिक जुलूसों से दंगे होते हैं और धार्मिक जुलूस दंगों का एक सोर्स है। इस याचिका की सुनवाई सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस नरसिम्हा की पीठ कर रही थी। इस याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह कानून-व्यवस्था का मुद्दा है और इसे राज्य की पुलिस और जिलाधिकारियों द्वारा देखा जा सकता है। बता दें कि इस याचिका को एनजीओ सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस द्वारा दायर किया गया था। एनजीओ ने जनहित में देश भर में धार्मिक जुलूसों को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देशों की मांग की थी। एनजीओ ने कहा था कि धार्मिक जुलूसों में लोग हथियार दिखाते हैं। उखक चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता एक जिले से दूसरे जिले में अलग होती है और धार्मिक जुलूसों को विनियमित करने के लिए समान दिशा-निर्देश नहीं हो सकते हैं। एनजीओ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने पीठ को बताया कि धार्मिक उत्सवों के दौरान तलवारें और हथियार लहराते हुए जुलूस निकाले जाते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि धार्मिक उत्सवों के दौरान निकाले जाने वाले इस तरह के जुलूसों के दौरान दंगे आम हो गए हैं। इस पर पीठ ने पूछा कि हम इसे इसलिए चित्रित करना चाहते हैं कि त्योहार के दौरान दंगे होते हैं। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र में गणेश पूजा के दौरान जुलूस निकाले जाते हैं, लेकिन कोई दंगे नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि आप एक धार्मिक त्योहार के दौरान दंगों की कुछ छिटपुट घटनाओं से सभी धार्मिक जुलूसों की समानता नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सकारात्मक देखने की कोशिश करें।

राज्यसभा में भाजपा सांसद ने पेश किया समान नागरिक संहिता बिल, विपक्ष ने किया भारी विरोध

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। राज्यसभा में शुक्रवार को भारी हंगामे के बीच भापजा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने 'भारत में समान नागरिक संहिता विधेयक, 2020' पेश किया। जिसका विपक्षी सदस्यों ने जमकर विरोध किया। बिल को पेश करने के बाद मतदान हुआ, जिसके पक्ष में 63 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 23 वोट डाले गए।बता दें कि देश में इस मुद्दे पर काफी लंबे समय से सियासी घमासान जारी है। इस बिल में मांग की गई है कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के लिए एक आयोग बनाया जाए। अब राज्यसभा में भी शीतकालीन सत्र के दौरान यूसीसी पर प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया है। समान नागरिक संहिता भारत में नागरिकों के व्यक्तिगत कानूनों को बनाने और लागू करने का एक प्रस्ताव है, जो सभी नागरिकों पर उनके धर्म, लिंग और यौन अभिविन्यास की परवाह किए बिना समान रूप से लागू होता है। वर्तमान में, विभिन्न समुदायों के व्यक्तिगत कानून उनके धार्मिक शास्त्रों द्वारा शासित होते हैं। यह कोड संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत आता है, जो बताता है कि भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा। विशेष रूप से, भाजपा के 2019 के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में, पार्टी ने सत्ता में आने पर यूसीसी के कार्यान्वयन का इसका वादा किया था। तृणमूल कांग्रेस, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, राष्ट्रीय जनता दादल, समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, सीपीआई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विपक्षी सदस्य और कांग्रेस ने यह कहते हुए विधेयक पेश करने का विरोध किया कि यदि यह पारित हो जाता है तो यह देश में प्रचलित सामाजिक ताने-बाने और विविधता में एकता को 'नष्ट' कर देगा।

पिता पर परिजनों के साथ मिलकर पुत्र की हत्या का प्रयास करने का आरोप

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। एक पिता पर अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर अपने पुत्र की हत्या करने का प्रयास करने का आरोप है। इस सम्बन्ध में अदालत के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके कार्यवाही शुरू कर दी है। रामपुरी निवासी गौरव ने अदालत के आदेश पर पुलिस में दर्ज हुई रिपोर्ट में बताया कि उसका पिता नरेश कुमार कई वर्ष पूर्व अपने परिवार को छोड़कर चला गया था। उसका पिता यूपी परिवहन विभाग में कर्मचारी था। पीड़ित ने बताया कि उसकी माता ने अपने व अपनी पुत्री के भरण पोषण के लिये उसके पिता के विरुद्ध अदालत में वाद दायर किया। 26 अगस्त, 2022 को उक्त मुकदमे में अदालत में तारीख थी। अदालत में तारीख भुगताने के बाद उसका भाई सौरभ अपनी मौसी के घर पीनना चला गया था, जहां से वह वापस अपने घर लौट रहा था। रिपोर्टकर्ता का आरोप है कि रास्ते में उसके पिता नरेश कुमार ने रामकुमार व नीरज के साथ मिलकर उसके भाई को दबोच लिया और उसकी हत्या करने के इरादे से उसे तबल मारकर घायल कर दिया। चीख पुकार पर आये कुछ लोगों ने उसके भाई की जान बचाई। उसके भाई को उपचार के लिये जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे रैफर कर दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके कार्यवाही शुरू कर दी है। इसके अलावा नई मंडी क्षेत्र में भोपा रोड पर हुए सड़क हादसे में भोपा थाना क्षेत्र के गांव बाकर नगर निवासी सौरभ पुत्र विकास व शिवकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया।

मदन भैया का आज होगा स्वागत

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। विजय मिलने के बाद लोनी लौट गए रालोद के नवनिर्वाचित विधायक मदन भैया कल नगर में आएंगे। उनका रालोद और सपा कार्यालयों पर अभिनंदन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष संदीप मलिक ने बताया कि कल दोपहर 12.30 बजे खतौली से नव निर्वाचित विधायक मदन भैया का स्वागत एवं सम्मान समारोह पार्टी कार्यालय सर्कुलर रोड मुजफ्फरनगर पर आयोजित किया गया है। इसी समय समाजवादी पार्टी के महावीर चौक कार्यालय पर भी नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत किया जाएगा।

ऑपरेशन के दौरान चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

▶ अदालत के आदेश पर चिकित्सक पर मुकदमा

मुजफ्फरनगर, 9 दिसम्बर (बु.)। सिविल लाईन क्षेत्र में स्थित एक अस्पताल में ऑपरेशन कराने आई महिला ने चिकित्सक पर ऑपरेशन के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सहारनपुर जनपद के गंगोह निवासी ताहिरा पत्नी रिजवान ने सिविल लाइन थाने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि पित्त की थैली में दर्द होने पर वह उपचार के लिये अनुपम होटल बिल्डिंग स्थित लोक सेवा हॉस्पिटल में आई थी, जहां डॉक्टर मुजीब हसन ने चैकअप करने के बाद उसे ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। ऑपरेशन की फीस साठ हजार रुपए व रक्त के लिये 18 हजार रुपए लिये गये थे, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कर उसका ऑपरेशन किया गया था। चिकित्सक ने उसे पेशाब की नली लगाई थी। जब वह पुनः चैकअप कराने के लिये आई, तो चिकित्सक ने पेशाब की नली निकाल दी, जिसके बाद रक्तस्राव शुरू हो गया। जांच के बाद उसे कहा गया कि ऑपरेशन करते समय कट लगने के चलते उसे रक्तस्राव हो रहा है, अब उसे पुनः ऑपरेशन कराना पड़ेगा, जिस पर दो लाख रुपए का खर्च आयेगा। पीड़िता का आरोप है कि चिकित्सक और हॉस्पिटल कर्मचारी शानू के द्वारा उसे और उसके परिवार को धमकी दी गई। कहीं सुनवाई न होने पर पीड़िता ने अदालत की शरण ली। अदालत के आदेश पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कॉलेजियम की बैठक का ब्यौरा मांगने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। आरटीआई से सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की बैठक की जानकारी नहीं मिल सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2018 को हुई कॉलेजियम की बैठक की जानकारी सार्वजनिक करने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने अधिनियम के तहत विवरण का खुलासा करने की मांग को ठुकरा दिया। कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि कालेजियम की बैठक की जानकारी आरटीआई के दायरे में नहीं आती है। याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम बहु-सदस्यीय निकाय है, जिसका अस्थायी निर्णय सार्वजनिक डोमेन में नहीं लाया जा सकता है।

भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई, 2024 में देखियो

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। भाकियू सुप्रीमो चौधरी नरेश टिकैत ने आज कहा। इभी क्या देक्खो । खतौली की हार का असर 2024 मैं देखियो। बीजेपी की उल्टी गिनती शुरू हो गी है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए चौधरी टिकैत ने कहा कि खतौली विधानसभा सीट पर रालोद गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया की ऐतिहासिक जीत भारतीय जनता पार्टी के लिए खतरे की घंटी है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में इस चुनाव परिणाम का असर दिखाई देगा। भारतीय जनता पार्टी देश में तानाशाही पूर्वक सरकार चला रही है, जनता को तानाशाही नहीं प्यार चाहिए। लगता है कि भारतीय जनता पार्टी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। उसे किसानों और मजदूरों की कतई फिक्र नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सरकार का तानाशाही रवैया इस सरकार को ले डूबेगा। खतौली विधानसभा में विक्रम सैनी की पत्नी राजकुमारी की हार पर चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि उनकी हार का प्रमुख कारण बेतुकी बात है, उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सुपुत्र चौधरी स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह एवं जयन्त चौधरी पर अभद्र टिप्पणी की थी जय किसान जिसे सुनकर किसान बर्दाश्त नहीं कर सके और उसे अपना अपमान माना।

खतौली में रालोद की जीत पर भाकियू अध्यक्ष चौ.नरेश टिकैत बोले

मुजफ्फरनगर से जम्मू और कटरा बस सेवा बंद

▶ पर्याप्त संख्या में यात्री ना मिलने के कारण बंद करनी पड़ी सेवा
▶ लोड फैक्टर तीस फीसदी रह जाने के कारण घाटे में चल रही थी बस

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। परिवहन निगम द्वारा मुजफ्फरनगर से जम्मू-कटरा वैष्णो देवी दर्शन करने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए शुरू की गई रोडवेज बस सेवा यात्रियों के अभाव में दम तोड़ गई है। ज्यादातर यात्री ऐसी यात्रा के लिए ट्रेन को पसंद करते हैं। ऐसे में यात्रियों के अभाव में निगम को यह सेवा बंद करनी पड़ गई। निगम अफसरों के अनुसार इस रूट पर लोड फैक्टर नहीं आ था। पर्याप्त यात्री नहीं मिल रहे थे। काफी दिनों तक इस रूट पर बसों को घाटे में भी चलाया गया लेकिन बाद में यह सेवा बंद ही करनी पड़ गई। शारदीय नवरात्र में वैष्णों देवी दर्शन करने जाने वाले यात्रियों की बढ़ी संख्या को देखते हुए परिवहन निगम ने मुजफ्फरनगर से जम्मू कटरा के लिए साधारण बस सेवा शुरू की थी। यह बसें मुजफ्फरनगर और सहारनपुर से होते हुए जम्मू कटरा जाती थी। परिवहन निगम को उम्मीद थी कि इस रूट पर उन्हें अच्छा लोड फैक्टर यानी खूब यात्री मिल जाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इन बसों का औसत लोड फैक्टर 30 से 35 फीसदी के बीच ही रहा। ऐसे में यह सेवा ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। सितंबर माह से दिसंबर माह के बीच तक इन रूट पर चल रही बसों का लोड फैक्टर देखा गया तो यह रूट घाटे में चल रहा था। क्षेत्रीय प्रबंधक सहारनपुर रीजन ने इसे घाटे का सौदा बताते हुए बंद करने के आदेश जारी कर दिए। मुजफ्फरनगर डिपो प्रभारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर से जम्मू और कटरा के बीच शुरू की गई साधारण बस सेवा को अब बंद कर दिया गया है। इसकी वजह यात्रियों का ना मिलना है।

पुराना वाहन बेचकर नया खरीदने पर मिलेगी टैक्स में छूट

गैरव्यवसायिक वाहनों के लिए 15 और व्यवसायिक वाहनों के लिए 10 फीसदी तक छूट

मुजफ्फरनगर, 9 दिसंबर (बु.)। योगी सरकार की पहल पर जनपद ऐसे तमाम वाहन मालिक जो भविष्य में अपना पुराना वाहन बेचकर नया वाहन खरीदता है उसे सरकार मोटरयान कर में छूट देगी। देश प्रदेश में पुराने वाहनों के कारण हो रहे प्रदूषण को कम करने की दिशा में सरकार ने यह अहम कदम उठा उठाया है, जिसे पूर्व में योगी सरकार की पहल पर परिवहन विभाग के इस प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी दी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन मुजफ्फरनगर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कर में यह छूट गैरव्यवसायिक वाहनों के लिए 15 फीसदी और व्यवसायिक वाहनों के लिए 10 फीसदी तक होगी। आरटीओ का कहना है कि इसमें छूट पाने के लिए वाहन मालिक के पास स्क्रैप के लिए निर्गत निक्षेप प्रमाण-पत्र होना जरूरी है। उनका कहना है कि ह्यनिक्षेप प्रमाण-पत्रह्ण पाने के एक साल के अंदर नए वाहन की खरीद पर ही वाहन स्वामी को कर में छूट दी जाएगी। इसके साथ ही यह छूट व्यावसायिक वाहनों के आठ साल पुराने और गैर व्यवसायिक वाहनों के 15 साल पुराने होने ही मिलेगी। उन्होंने बताया कि अपर परिवहन आयुक्त राज्य उत्तर प्रदेश की ओर से जारी निर्देश के चलते व्यवस्था जनपद में भी शुरू की गई है ताकि वाहन स्वामी इस छूट का लाभ उठा सकें। बता दे पूर्व में कैबिनेट ने यह फैसला केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक अधिसूचना के मद्देनजर लिया है। इस अधिसूचना के तहत 23 नवम्बर 2021 को मोटरयान (यान स्क्रैपिंग सुविधा का रजिस्ट्रीकरण और कार्य) नियम, 2021 बनाया गया था। इस नियमावली में ह्यपंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्र द्वारा वाहनों के स्क्रैप के लिए निक्षेप प्रमाण-पत्र निर्गत करने का प्रावधान है। केन्द्रीय मोटर यान नियमावली में भी वाहनों के कर में गैरव्यवसायिक वाहनों के मामले में 25 फीसदी और व्यवसायिक वाहनों पर 15 फीसदी तक छूट देने का प्रावधान किया गया। इसी कड़ी में योगी सरकार ने भी उत्तर प्रदेश मोटर यान कराधान अधिनियम के तहत मोटर यान कर में छूट दी है। कैबिनेट में रखे गए प्रस्ताव में बताया गया है कि पुराने वाहनों के संचालन से उत्सर्जित धुआं, वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। इसी के मद्देनजर स्वच्छ एवं वायु प्रदूषण मुक्त वातावरण के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार ने यान स्क्रैपिंग नीति लागू की है। इससे न केवल प्रदूषणकारी वाहन अस्तित्वहीन हो जाएंगे, बल्कि नये वाहनों की मांग बढ़ने से रोजगार के नए अवसर बनेंगे और राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

स्व० लाला हरबंस लाल गोयल जी व स्व० श्रीमती बिमलावती देवी जी की स्मृति में
वरदान धर्मार्थ नेत्र सेवा संस्थान, गाजियाबाद के सहयोग से आयोजित
आँखों का नि:शुल्क विराट कैम्प
दिनांक- 11 दिसम्बर 2022, दिन- रविवार समय- प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक
स्थान : एम.जी. पब्लिक स्कूल, सरकुलर रोड, मुजफ्फरनगर
यह कैम्प हर महीने के दूसरे रविवार को निरन्तर लगाया जायेगा।
किसी का भी कोई जानकार जो आँखों का नि:शुल्क इलाज चाहता हो, कैम्प में पहुँचकर सेवा का लाभ उठाये व हमें अनुगृहित करें।
शिविर में आने वाले सभी नेत्र रोगियों की जाँच के बाद -
रजिस्ट्रेशन पहले कहीं नहीं होगा, मौके पर ही प्रात: 9:30 बजे शुरू किया जायेगा।
1. शिविर में आँखों की जाँच करके दवाई मुफ्त दी जायेगी।
2. मोतिया पाये जाने पर रोगी को संस्थान की बस द्वारा कैम्प से ही गाजियाबाद ले जाकर आधुनिक I.O.L. विधि से लैंस लगाते हुये ऑपरेशन किया जायेगा तथा अगले दिन सुबह रोगी को वापस सरकुलर रोड पर ही छोड़ा जायेगा कोई तीमारदार साथ जाने की न जरूरत है और न साथ जा सकेगा।
3. जाँच, लैंस, ऑपरेशन, गाजियाबाद ले जाना व वापस छोड़ना तथा खाना व विश्राम की व्यवस्था पूर्णत: नि:शुल्क रहेगी।
4. अपने घर से सरकुलर रोड तक आने तथा सरकुलर रोड से अपने घर वापस लौटने की व्यवस्था रोगी को स्वयं करनी होगी।
5. ऑपरेशन कराने वाले व्यक्ति या तीमारदार का मोबाइल नं० होना आवश्यक है।
– :: निवेदक :: –
डॉ. एस. सी. गुप्ता, M.B.B.S.,M.S., सीनियर सर्जन
श्री भीमसैन कंसल, अध्यक्ष, एम.जी. पब्लिक स्कूल
श्री सतीश चन्द गोयल, सी.ई.ओ., टिहरी आयरन एण्ड स्टील कॉस्टिंग लि०
श्री वैभव गोयल, डायरेक्टर, टिहरी आयरन एण्ड स्टील कॉस्टिंग लि०
डॉ० मृणालिनी अनंत, प्रधानाचार्या, एम.जी. वर्ल्ड विजन स्कूल
श्रीमती मोनिका गर्ग, प्रधानाचार्या, एम.जी. पब्लिक स्कूल
अन्य जानकारी व सहयोग के लिए : श्री सुरेश रोतैला - मो. 9897325517 व श्री मानस तोमर - मो. 8899928838 से सम्पर्क करें।